हरिभूमि
रोहतक भूमि
रोहतक, सोमवार 19 जनवरी 2026

तापमान
अधिकतम 23.2 डिग्री
न्यूनतम 3.1 डिग्री

11 तमिलनाडु को हराकर हरियाणा की बेटियों ने ...

12 चार जिलों के 28 गांव की 28030 एकड़ जमीन से ...

शहर में आज

- आंबेडकर चौक पर रक्तदान शिविर का आयोजन।
- एमडीयू में ऑल इंडिया टेनिस प्रतियोगिता का आयोजन।
- एमडीयू में साफ्टबॉल इंटर कॉलेज प्रतियोगिता।

बिजली बाधित

- सुबह 11 बजे से दोपहर एक बजे तक- जगह-सेक्टर 4 एक्सटेंशन, आशियाना फ्लैट, सेक्टर 5

खबर संक्षेप

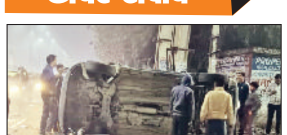

ओमेक्स सिटी के पास तेज रफ्तार कार पलटी

रोहतक। दिल्ली रोड पर ओमेक्स सिटी के पास रविवार देर रात एक कर बेकाबू होकर पलट गई। कार सवार कुछ लोगों को हल्की चोटें आई हैं जिन्हें उपचार के लिए पीजी आई भेजा गया है। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि दूसरी कार की वजह से यह हादसा हुआ है। किसी ने शिकायत दर्ज नहीं कराई।

बदमाश ने टीवी कलाकार से मोबाइल लूटा

रोहतक। टीवी कलाकार के साथ ओल्ड हाउसिंग बोर्ड में स्नेचिंग की वारदात हो गई। बदमाश युवक का मोबाइल लूट कर फरार हो गया। मोहित जांगड़ा निवासी आजाद नगर ने बताया कि शनिवार की रात दस बजे वह गाड़ी से उतरकर घर की तरफ आ रहे थे। ओल्ड हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी में पहुंचे तो बाइक सवार युवक ने मोबाइल लूट लिया। मोहित ने बदमाश का पिछा किया लेकिन वह कन्हेली रोड की ओर फरार हो गया। पुलिस ने शिकायत दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

सेवानिवृत्त पुलिस कर्मी ने जहर खाकर दी जान

सांपला। खंड के गांव भैंसरु खुर्द में अज्ञात कारणों से सेवानिवृत्त पुलिस कर्मी सतीश की जहरीला पदार्थ के सेवन की वजह से मौत हो गई। पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम करा परिजनों के हवाले कर दिया। शनिवार की शाम को करीब 60 साल के सतीश कुमार ने अज्ञात कारणों के जहरीला पदार्थ खा लिया। तबीयत बिगड़ी तो परिवार के लोग उस लेकर रोहतक अस्पताल लेकर पहुंचे। जहां उसने दम तोड़ दिया। पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम करा शव परिजनों को सौंप दिया।

यहां से रात को गुजरने में लगता है डर

तिलियार लेक से शीला बाईपास तक 4 किमी के दायरे में 5 शराब ठेके खड़े रहते हैं पियक्कड़, आमजन को सताती है सुरक्षा की चिंता

व्यस्त मार्ग पर वाहनों की अधिक संख्या के कारण लगता है जाम

यहां करीब 400 मीटर पर एक ठेका है। स्थानीय निवासियों का कहना है कि शाम होते ही हालात खराब हो जाते हैं। सड़क पर खड़े होने वाले वाहनों के कारण दुर्घटना का अंदेशा बना रहता है। इस मार्ग से गुजरने वाले नौकरीपेशा लोग और महिलाओं को होती है भारी परेशानी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

अगर आप रात को तिलियार लेक से शीला बाईपास की तरफ जा रहे हैं तो सावधानी से निकलें। आपके साथ कोई भी वारदात हो सकती है। क्योंकि यहां करीब 4 किलोमीटर के एरिया में 5 शराब के ठेके हैं और शाम होते पियक्कड़ इस सड़क को घेर लेते हैं। इससे आमजन को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ता है। शहर के इस व्यस्त मार्ग पर ठेकों की अधिक संख्या होने के कारण रोजाना यातायात बाधित हो रहा है। शराब खरीदने आने वाले लोग अपने वाहन सड़क किनारे ही खड़े कर देते हैं, जिससे जाम लगना आम बात हो गई है। यहां करीब चार सौ मीटर के बाद शराब का ठेका है। स्थानीय निवासियों का कहना है कि शाम के समय हालात और खराब हो जाते हैं। तेज रफ्तार वाहनों के बीच अचानक खड़े वाहनों के कारण कई बार दुर्घटना की नौबत बन जाती है। इस मार्ग से रोज स्कूल बसें, नौकरीपेशा लोग और महिलाएं गुजरती हैं, लेकिन ठेकों के आसपास जमा होने वाली भीड़ के कारण असुरक्षा का माहौल बना रहता है। कई बार शराब पीकर लोग सड़क पर ही हंगामा करते देखे जाते हैं। व्यापारियों का भी कहना है कि ठेकों की वजह से उनके कारोबार पर असर पड़ रहा है।

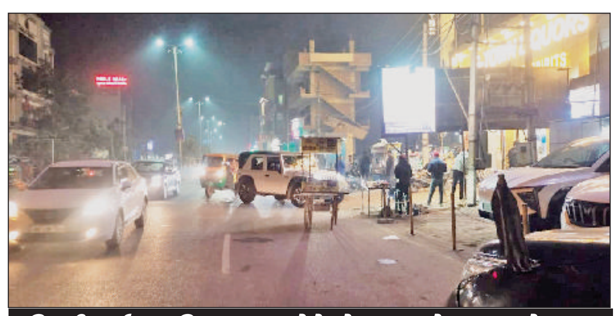

दिल्ली बाईपास स्थित शराब ठेके के बाहर रोड पर खड़े वाहन

आबकारी नीति

आबकारी नीति के अनुसार, शराब ठेकों के लिए स्थान तय करते समय सार्वजनिक सुरक्षा, यातायात व्यवस्था और आबादी की सुविधा का ध्यान रखना अनिवार्य होता है। ठेकों को स्कूलों, धार्मिक स्थलों और रिहायशी क्षेत्रों से निश्चित दूरी पर रखने का प्रावधान है। साथ ही यह भी अपेक्षा की जाती है कि एक ही क्षेत्र में ठेकों का अत्यधिक जमाव न हो और ग्राहकों के लिए पर्याप्त पार्किंग की व्यवस्था हो।

कार्रवाई की मांग

क्षेत्रवासियों ने जिला प्रशासन और आबकारी विभाग से मांग की है कि या तो ठेकों की संख्या सीमित की जाए या फिर इन्हें मुख्य सड़क से हटाकर अंदरूनी स्थानों पर शिफ्ट किया जाए। साथ ही ठेकों के बाहर अनिवार्य पार्किंग और सुरक्षा गार्ड की व्यवस्था की जाए। ट्रैफिक पुलिस से भी यहां नियमित निगरानी करने की मांग की गई है।

यहां-यहां हैं शराब के ठेके

तिलियार लेक के सामने, दिल्ली बाईपास पर सेक्टर-1 के प्रवेश द्वार के ठीक सामने, जाट भवन से लगभग 200 मीटर आगे, स्मार्ट बाजार के सामने और शीला बाईपास चौक पर शराब ठेके संचालित हो रहे हैं। मुख्य मार्ग पर इन ठेकों की मौजूदगी से यातायात व्यवस्था प्रभावित हो रही है। ग्राहक सड़क किनारे वाहन खड़े कर देते हैं, जिससे जाम और दुर्घटना का खतरा बना रहता है।

ट्रैफिक जाम से दिक्कत

यहां लगने वाले जाम के लिए वाहन चालक तो जिम्मेदार हैं ही, साथ ही दिन में यातायात पुलिस और रात के समय सम्बंधित थाना पुलिस को ट्रैफिक कंट्रोल करना चाहिए। कई बार यहां जाट भवन से लेकर दिल्ली बाईपास तक बड़े स्तर पर जाम लग जाता है जिसकी वजह से लोगों को काफी परेशानी होती हैं।

शराब के नुकसान भी कम नहीं

कैंसर का जोखिम बढ़ाती है!

शराब कैंसर का जोखिम बढ़ाती है। राष्ट्रीय स्वास्थ्य संस्थान के अनुसार दुनिया भर में लगभग 5.5% नए कैंसर के मामले और 5.8% कैंसर से मौतें शराब के सेवन से जुड़ी हैं। इसलिए शराब का सेवन करने से बचना चाहिए।

यह एक विष 'टॉक्सिन'

- वाइन, बीयर या कोई भी शराब सभी में एथेनॉल होता है। शरीर जब एथेनॉल को तोड़ता है तो यह एसीटाल्डिहाइड नामक कार्सिनोजन बनाता है, जो डीएनए को नुकसान पहुंचाता है।

इसमें पोषक तत्व नहीं

- शराब में केवल कैलोरी होती हैं, लेकिन पोषक तत्व नहीं। अधिक कैलोरी लेने से वजन बढ़ सकता है, और अत्यधिक शरीर भार कैंसर और अन्य बीमारियों का जोखिम बढ़ाता है।

बदलती है हार्मोन स्तर

- शराब हार्मोन को प्रभावित कर सकती है। यह एस्ट्रोजन का स्तर बढ़ा सकती है, जिससे कुछ महिलाओं में स्तन कैंसर का जोखिम बढ़ सकता है। अत्यधिक शराब पीने से उच्च रक्तचाप, हृदय रोग, स्ट्रोक, लिवर की बीमारी, पाचन समस्याएं, कमजोर प्रतिरक्षा प्रणाली का खतरा होता है। यह पुरुषों और महिलाओं दोनों में बांझपन का कारण बन सकती है।

सुनारियां जेल रोड पर 29 कुत्तों की मौत का मामला

नसबंदी करने वाली संस्था पर गंभीर आरोप, जांच तेज

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

सुनारियां जेल रोड पर एक साथ 29 कुत्तों की लाशें मिलने से सनसनी फैल गई है। शवों पर कीड़े पड़ चुके थे, जिससे साफ था कि मौत कई दिन पहले हुई। पशु प्रेमियों और सामाजिक संगठनों ने इसे नसबंदी प्रक्रिया में लापरवाही का नतीजा बताते हुए हंगामा किया। मामला बढ़ने पर पुलिस ने नगर निगम और नसबंदी करने वाली संस्था नैन फाउंडेशन के खिलाफ एफआइआर दर्ज कर ली है। वहीं निगम कमिश्नर ने एसडीएम की अगुआई में 7 सदस्यीय जांच कमेटी गठित कर दी है। 13 जनवरी की सुबह स्थानीय लोगों ने सुनारिया जेल रोड पर बड़ी संख्या में कुत्तों के शव पड़े देखे। सूचना मिलते ही डॉग लवर्स और पशु कल्याण संगठन के सदस्य मौके पर पहुंचे। गिनती करने पर 29 डेडबॉडी मिलीं। स्वयंसेवक अरविंद की शिकायत पर शिवाजी कॉलोनी थाना पुलिस ने प्रिवेंशन ऑफ क्रूएलिटी टू एनिमल्स एक्ट की धारा 11 के तहत केस दर्ज किया।

घटना की जानकारी देते शेल्टर होम कर्मचारी।

पूर्व कर्मी के चौंकाने वाले खुलासे

फाउंडेशन के एक पूर्व कर्मचारी ने मीडिया के सामने आकर गंभीर आरोप लगाए। उसने कहा कि शेल्टर होम में कुत्तों को पर्याप्त भोजन नहीं दिया जाता। कुत्तों को नियमों के खिलाफ रात में पकड़ा जाता है और स्टाफ को कोई ट्रेनिंग भी नहीं दी गई। मरने वाले कुत्तों के शव कट्टों में भरकर रात के अंधेरे में फेंक दिए जाते हैं। उसने दावा किया कि जेल रोड पर मिले सभी 29 शव फाउंडेशन के शेल्टर से ही ले जाकर फेंके गए थे।

बैंक कर्मियों और ग्रामीणों के बीच विवाद, आरोप-प्रत्यारोप

बैंक कर्मचारियों ने ग्रामीणों पर बंधक बनाकर मारपीट करने, जबकि ग्रामीणों ने घर में घुसने और नकली पुलिस साथ लाने के आरोप लगाए

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

गांव रिठाल नरवाल में एसबीआई बैंक के कर्मचारियों और ग्रामीणों के बीच विवाद सामने आया है। बैंक कर्मचारियों ने ग्रामीणों पर बंधक बनाकर मारपीट व जान से मारने की धमकी देने का आरोप लगाया है, जबकि ग्रामीणों ने बैंक कर्मचारियों पर जबरन घर में घुसने, धमकी देने और नकली पुलिसकर्मी साथ लाने के आरोप लगाए हैं। पुलिस ने बैंक कर्मचारी की शिकायत पर मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। एसबीआई के कर्मचारी नवीन मोर ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि वह लोन की किस्त वसूलने के लिए गांव रिठाल नरवाल गए थे। इस दौरान गांव निवासी मंजीत, रवि, मोहित और एक अन्य व्यक्ति ने उनके साथ अभद्र व्यवहार किया, हाथापाई की और उन्हें एक कमरे में बंधक बना लिया। नवीन मोर का आरोप है कि एक व्यक्ति कुछ देर बाद पिस्टल लेकर आया और उन्हें जान से मारने की धमकी दी। ग्रामीणों के हस्तक्षेप के बाद उन्हें छुड़वाया गया। आरोपियों ने भविष्य में गांव आने पर जान से मारने की धमकी भी दी।

युवक अवैध हथियार सहित गिरफ्तार देसी पिस्तौल व 5 जिंदा रौंद बरामद

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

पुलिस की सीआईए-2 स्टाफ टीम ने गश्त के दौरान एक युवक को अवैध हथियार सहित गिरफ्तार करने में सफलता प्राप्त की है। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से एक देसी पिस्तौल और 5 जिंदा रौंद बरामद किए हैं। आरोपी के खिलाफ शस्त्र अधिनियम के तहत मामला दर्ज कर कानूनी कार्रवाई की गई है। सीआईए-2 स्टाफ के प्रभारी उप निरीक्षक सतीश कुमार ने बताया कि पीएसआई शिव कुमार के नेतृत्व में सीआईए-2 स्टाफ की टीम सांपला से दतोड़ रोड के पास गश्त पर मौजूद थी। इसी दौरान सांपला की ओर से आ रहे एक युवक की गतिविधियां संदिग्ध प्रतीत होने पर उसे शक के आधार पर काबू किया गया। तलाशी लेने पर युवक के पास से एक देसी पिस्तौल और 5 जिंदा रौंद बरामद हुए। पूछताछ में युवक की पहचान शिवा पुत्र निवासी असलतपुर, जिला मुरादाबाद (उत्तर प्रदेश), हाल निवासी बहादुरगढ़ के रूप में हुई। आरोपी के खिलाफ थाना सांपला में केस दर्ज कर उसे गिरफ्तार किया।

रोहतक। आरोपित पुलिस की गिरफ्त में।

साइबर ठग हाईटेक, आप भी रहें अलर्ट

साइबर एडवाइजरी जारी किसी भी अनजान लिंक पर क्लिक न करें

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

पुलिस द्वारा साइबर अपराध एवं फर्जी कस्टमर केयर नंबरों के बढ़ते मामलों को देखते हुए आमजन के लिए एक महत्वपूर्ण साइबर एडवाइजरी जारी की गई है। पुलिस ने नागरिकों से अपील की है कि वे ऑनलाइन प्लेटफॉर्म का उपयोग करते समय पूरी सतर्कता बरतें, ताकि साइबर ठगी से बचा जा सके। ऑनलाइन ऐप या किसी सेवा से संबंधित जानकारी सर्च करते समय सर्च रिजल्ट में सबसे ऊपर दिखाई देने वाली वेबसाइट को ही सही मानना खतरे से खाली नहीं है। यदि किसी वेबसाइट के साथ लिखा हो, तो उस पर क्लिक करने से बचें, क्योंकि साइबर ठग ऐसे माध्यमों से फर्जी वेबसाइट्स को प्रमोट करते हैं। सरकारी वेबसाइट की पहचान उसके अंत में gov.in या nic.in डोमेन से होती है। यदि वेबसाइट का डोमेन ऐसा नहीं है, तो उसकी सत्यता की जांच अवश्य करें।

पीजीआई में न्यूक्लियर मेडिसिन विभाग को आज भी मशीनों का इंतजार

विभागीय स्टाफ को भी संसाधनों के अभाव में करना पड़ रहा काम

कैंसर सहित अन्य गंभीर बीमारियों की नहीं हो पा रही जांच, मरीज परेशान

न्यूक्लियर मेडिसिन विभाग की बिल्डिंग वर्ष 2025 में बनकर पूरी हो गई थी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

पंडित भगवत दयाल शर्मा पोस्ट ग्रेजुएट इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज (पीजीआईएमएस) में न्यूक्लियर मेडिसिन विभाग के लिए तैयार की गई नई बिल्डिंग बने एक साल से अधिक का समय बीत चुका है, लेकिन आज तक यहां जरूरी मशीनें उपलब्ध नहीं हो सकी हैं। मशीनों की कमी के कारण न केवल मरीजों को जांच और उपचार में भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है, बल्कि विभागीय स्टाफ को भी संसाधनों के अभाव में काम करना पड़ रहा है। जानकारी के अनुसार, न्यूक्लियर मेडिसिन विभाग की बिल्डिंग वर्ष 2025 में बनकर पूरी हो गई थी। इस विभाग में अत्याधुनिक तकनीक से कैंसर सहित अन्य गंभीर बीमारियों की जांच और इलाज किया जाना प्रस्तावित था। इसके लिए करोड़ों रुपये की लागत से मशीनें लगाए जाने की योजना थी, लेकिन अब तक मशीनें नहीं पहुंच पाई हैं। नतीजतन, मरीजों को या तो दूसरे विभागों में भेजा जा रहा है या फिर निजी अस्पतालों का रुख करना पड़ रहा है, जिससे उन पर आर्थिक बोझ बढ़ रहा है।

रोज आते हैं हजारों मरीज

पीजीआई में दूर-दराज के जिलों और पड़ोसी राज्यों से भी मरीज इलाज के लिए पहुंचते हैं। न्यूक्लियर मेडिसिन जैसी सुविधाएं न मिलने से मरीजों को बार-बार तारीखें दी जा रही हैं। कई मामलों में जरूरी स्कैन और जांच समय पर न हो पाने के कारण इलाज में देरी हो रही है, जो मरीजों की सेहत के लिए गंभीर खतरा बन सकता है।

पूरे स्टाफ की तैनाती नहीं

मशीनों की अनुपलब्धता के साथ-साथ स्टाफ की भी समस्या सामने आ रही है। विभाग के लिए जिन डॉक्टरों, तकनीशियनों और नर्सिंग स्टाफ की नियुक्ति की जानी थी, वे या तो सीमित संख्या में हैं या फिर उन्हें दूसरे विभागों में कार्य करना पड़ रहा है। इससे नई बिल्डिंग और उपलब्ध ढांचे का पूरा लाभ नहीं मिल पा रहा है।

यह मिलेगा लाभ

मशीनें आने के बाद प्रदेशभर के कैंसर मरीजों को यहां न्यूक्लियर थेरेपी के जरिए बेहतर उपचार मिलेगा। प्रदेश में रोहतक में पहला न्यूक्लियर मेडिसिन विभाग शुरू होगा। इसमें सभी तरह के कैंसर की जांच संभव होगी। कैंसर प्रभावित क्षेत्र व उसकी स्थिति का सही पता लग सकेगा।

जल्द मशीनें मिल जाएंगी

न्यूक्लियर मेडिसिन विभाग की बिल्डिंग विभाग को सौंप दी गई है। डीएमईआर को उपकरणों के लिए प्रपोजल भेज दिया है। बहुत जल्द विभाग में जरूरी मशीनें पहुंचने की संभावना है।

-डॉ. वरुण अरोड़ा, इंचार्ज, जनसंपर्क विभाग पीजीआई

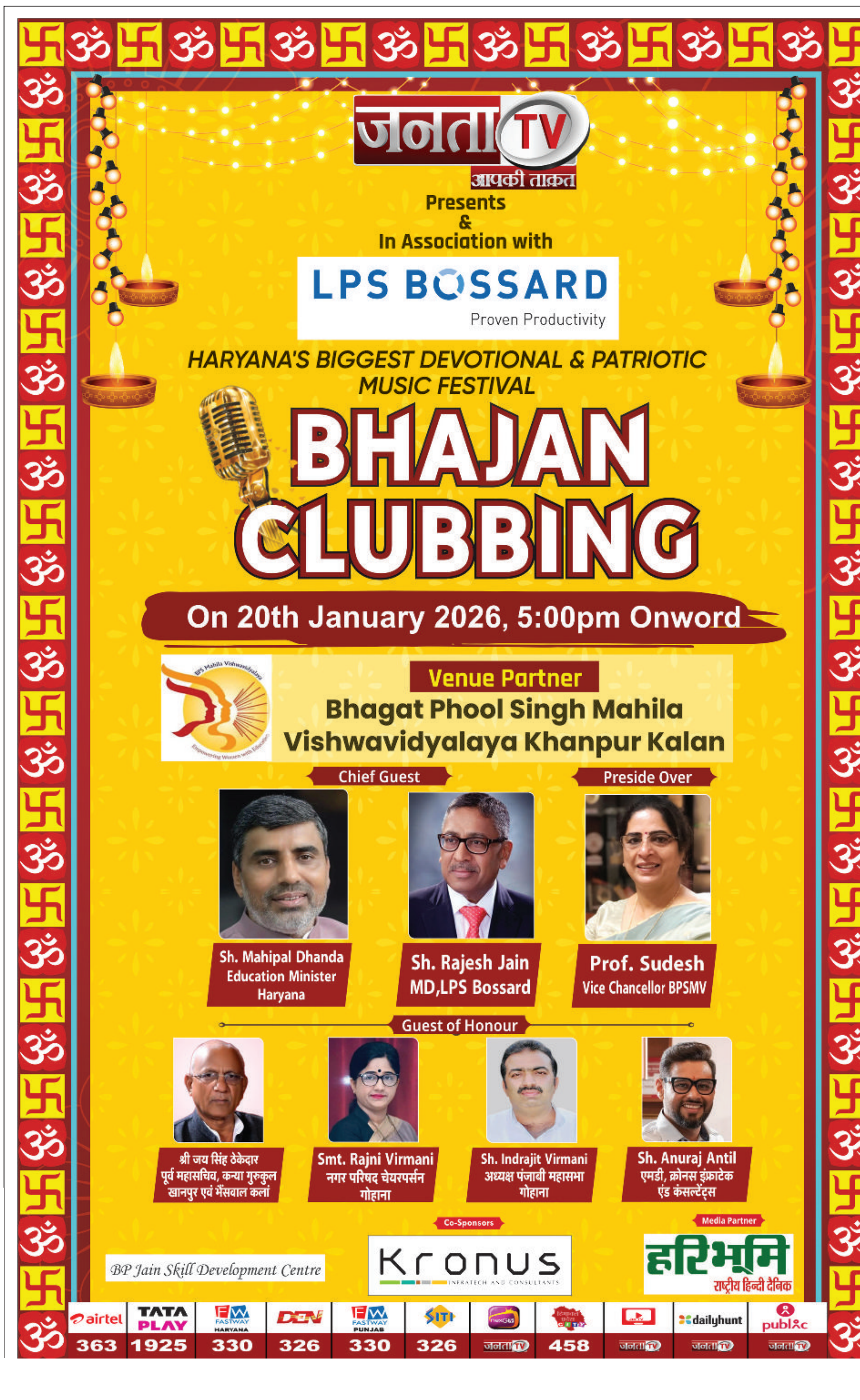

समय, सेहत और संबंध... इन तीनों पर कीमत का लेबल नहीं लगा होता है, लेकिन जब हम इन्हें खो देते हैं तब इनकी कीमत का अहसास होता है।
- मुंशी प्रेमचंद

मानव मन की इच्छाएं तो असीमित हैं। बंधन उसे अस्वीकार्य हैं। पक्षियों की तरह उड़ने के लिए उसे खुला आसमान चाहिए और तैरने के लिए विस्तृत सागर। वह उन्नति के शिखरों पर चढ़ना चाहता है। हर काम में प्रतिस्पर्धा। आगे बढ़ने की चाहना। सुख-सुविधाओं की लालसा के आगे, अपनों से दूरी उनकी राह में बाधक नहीं बनती। मोह भी समाप्त हो जाता है। भौतिक सुखों का आकर्षण होता ही ऐसा है, तब वह निर्मोही बन जाता है।

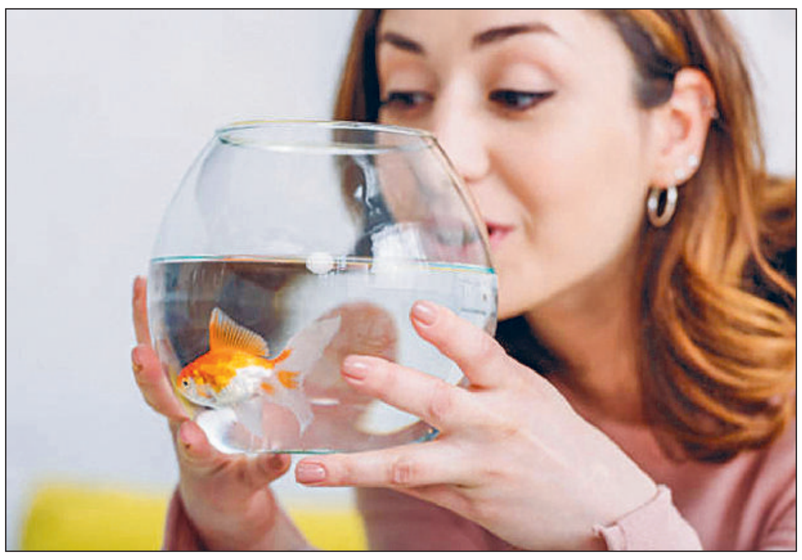

कहानी
सुदर्शन रत्नाकर

अकेलेपन का दंश

मछलियां जब लाई गई थीं, तब वे गिनती में कुल बारह थीं। ऐक्वेरियम के स्वच्छ जल में तैरतीं वे रंग-बिरंगी मछलियां एक दूसरे से टकरातीं, ऊपर-नीचे, दायें-बांयें होतीं अठखेलियां करतीं, घर में सबके आकर्षण का केन्द्र बन गईं थीं। ऐक्वेरियम के बैकग्राउंड में लगी लैंडस्केप में पहाड़, झरना, पेड़ सब थे, जो देखने में एक सुंदर दृश्य उपस्थित करते थे; लेकिन उन मछलियों के तैरने, विचरण करने की एक सीमा थी। नदी, तालाब या सागर का अथाह जल नहीं था। जो भी था तीन बाय दो फ़ीट का ऐक्वेरियम ही उनका संसार था। सीमित जल ही उनका जीवन था। स्वाभाविक रूप में जीव -जन्तु उनका भोजन नहीं थे। हमारी कृपा से ही उनका पेट भरता था। शायद हमारी कृपा अधिक ही हो जाती थी। सुबह-शाम तो उनकी डाइट डाली ही जाती थी। बच्चे आते-जाते उन्हें देखते और साथ में में दो-चार दाने ऐक्वेरियम में डाल देते।

मछलियों में हलचल शुरू हो जाती। किसी के हिस्से में दो दाने आ गये और शेष रह गईं। कोई मुटा रही थी तो कोई पहले से दुबली हो रही थी। रंग-बिरंगी दस मछलियां बेहद सुंदर थीं; लेकिन दो एकदम काली, जो दूर से ही पहचानी जाती थीं। दूसरी मछलियों से अलग और जीवट। दूसरी मछलियों को धकेलतीं एक से दूसरे कोने में पहुंच जातीं। वे रहती भी उन दोनों से अलग थीं। शायद वे उनसे अलग प्रजाति की होंगी। पर मैंने देखा कि थोड़े दिन में वे दूसरी मछलियों से हिलमिल गई थीं। एक कोने में न जाकर उनके बीच जाकर खेलने लगतीं। मछलियों के क्रियाकलापों से लगता था, बंधन में रहकर भी वे खुश हैं। उन्होंने परिस्थितियों के अनुसार स्वयं को ढाल लिया था। न भी खुश रहतीं तो भी उन्हें रहना तो वहीं था। बाहर निकल नहीं सकती थी, क्योंकि वहां जीवन का अंत था। पर मानव मन की इच्छाएं तो असीमित हैं न। बंधन उसे अस्वीकार्य हैं। पक्षियों की तरह उड़ने के लिए उसे खुला आसमान चाहिए और तैरने के लिए विस्तृत सागर। वह उन्नति के शिखरों पर चढ़ना चाहता है। हर काम में प्रतिस्पर्धा। आगे बढ़ने की चाहना। सुख-सुविधाओं की लालसा के आगे, अपनों से दूरी उनकी राह में बाधक नहीं बनती। मोह भी समाप्त हो जाता है। भौतिक सुखों का आकर्षण होता ही ऐसा है, तब वह निर्मोही बन जाता है। कोई भी बंधन उसे बांध नहीं पाता और वह पंख फैलाकर उड़ जाता है। समीर ने लंदन जाने का फ़ैसला उसे सुना दिया था। उससे पहले उसने सारी औपचारिकताएं पूरी भी कर ली थीं। वह उसे क्या कहती, उसके साथ तो जा नहीं सकती थी। यह समीर जानता था, इसीलिए उसने पूछने की ज़रूरत ही नहीं समझी। मन को यह बात चुभती रही कि वह उसे पहले ही बता देता, तब भी वह उसे रोकती नहीं, वह यह बात भी जानता है। मैंने अनुशासन में रखकर उसे संस्कारों के साथ स्वतंत्रता भी दी हुई थी, इसलिए उसकी इच्छा में बाधक बनने का तो कोई प्रश्न ही नहीं उठता था!

एक महीने के भीतर वे सब चले गए। घर सूना हो गया। तब बरसों पहले छोड़ कर गए मिहिर की बहुत याद आई थी। उसने परिस्थितियों के साथ समझौता कर लिया। मछलियों के साथ समय बिताने लगी थी। उसे देखते ही उनमें हलचल मच जाती। जैसे ही दाना डालती, वे सब उछल-उछल कर ऊपर की ओर आ जातीं। वे उसके सूनेपन की साथी हो गई थीं। ऐक्वेरियम के सामने बैठ कर घंटों उन्हें निहारती। हलकी-हल्की ठंड पड़नी शुरू हो गयी थी। मौसम ख़ुशगवार हो गया था। गुनगुनी धूप अच्छी लगने लगी थी। लॉन में बैठने को मन करता। धूप में बैठे-बैठे भी वह अंदर रखे ऐक्वेरियम में मछलियों को निहारती रहती। यह उसकी दिनचर्या बन गई थी। फिर देखते ही देखते सर्दी बढ़ गई। वर्षा के साथ ठंडी हवाएं चलने लगीं। तापमान गिरता गया। ऐक्वेरियम के सामान्य तापमान में रहने वाली मछलियों के लिए यह तापमान कम था। कमज़ोर मछलियां सह नहीं पाईं और पांच मछलियां मर गईं। उनका साथ छूट गया। उसे अच्छा नहीं लगा। शेष बची मछलियां भी दो दिन तक सुस्त रहीं। उनके डाइट के दाने पानी के ऊपर तैरते रहे। यही नहीं, अगले कुछ दिनों में सात मछलियों में से पांच और चली गईं। शेष वहीं दो काली मछलियां बच गईं, जो सबसे अलग लगती थीं। अब पूरा ऐक्वेरियम उनका था, पर वे दोनों पानी में रखे पत्थरों के बीच छिप कर बैठ जातीं। वह दाना डालती तो उछल कर ऊपर आ जातीं। भूख तो सब को लगती है, ईश्वर ने विधान ही ऐसा बनाया है। परिवार के साथ हो या अकेले पेट भरने के लिए यत्न तो करना पड़ता है। मछलियों को भी पानी में से भोजन तलाशना पड़ता है। उसने कई बार सोचा कि कुछ मछलियां और लाकर पानी में छोड़ दे; लेकिन ऐसा किया नहीं, जिनके लिए किया था वे तो चले गए। उसके लिए ये दो ही बहुत हैं। जब ढेर सारी मछलियां थीं तो ये दोनों अपने में ही मस्त रहती थीं, पर अब जब वह इनके पास से गुजरती हैं तो ये सतर्क हो जाती हैं। उछल कर ऊपर आ जाती हैं और फिर तैरती हुई दूसरे किनारे चली जाती हैं। वह उन्हें कहती है, 'तुम भाग्यशाली हो, दो तो हो। एक दूसरे का सहारा है। एक साथ रहती हो, खेलती हो, बतियाती हो, दिन- रात कब निकल जाते हैं पता ही नहीं चलता होगा तुम दोनों को। मिहिर साथ होते तो उसे भी बच्चों का चले जाना शायद अखरता नहीं।' दोनों मछलियां उछल कर फिर ऊपर आ जाती हैं। वह समझ जाती है, कहती है, 'अच्छा तुम हो मेरे साथ। हाँ, तुम हो, मैं अकेली कहां हूं। नाराज़ क्यों होती हो, चलो दाना खा लो और फिर खेलो, मैं तुम्हारा खेल देखूंगी।' इधर कई दिनों से वह उनसे बतियाने लगी है। अपनी ही आवाज़ सुन कर वह खुश हो जाती है। कोई आवाज़ तो गूंजी घर में। नहीं तो सारा दिन सूनापन पसरा रहता है। दरवाज़े खोल कर भी रखो तो भी बाहर से कोई आवाज़ नहीं आती। हर कोठी का गेट दूसरी कोठी से दूर है। सब अपने में सीमित, अपने - अपने घर में सिमटे रहते हैं। पता ही नहीं चलता, कब कोई बाहर गया और कब अंदर आया। सिवाय सड़क पर आते-जाते वाहनों के कोई और आवाज़ नहीं आती। धुआं और धूल उड़ाती गाड़ियां दिन -रात चलती रहती हैं। उनकी आवाज़ों से डर कर आंगन में लगे पेड़ों पर कभी-कभार ही कोई परिन्दा आकर बैठता है, पर वाहनों की आवाज़ में उनकी आवाज़ विलीन हो जाती है। हां, कभी कभी आती-जाती बाइयों की आवाज़ सुनाई दे जाती है, जो काम से निपट कर बाहर निकलती हैं, तो एक दूसरे से मालिकों की या अपनी गाथा सुनाने खड़ी हो जाती हैं। वह अनुभव कर रही थी, अब उसका शरीर शिथिल होता जा रहा है। खान-पान, दिनचर्या बराबर पहले जैसी है और ऐसा भी नहीं लगता कि वह बीमार है। हां, कभी कभी सांस उखड़ने लगती है। मौसम बदलने पर प्रभाव अधिक पड़ता है। प्रदूषण से भी तो कोई बचाव नहीं। उसने विशेष ध्यान नहीं दिया, लेकिन एक रात सोते हुए उसका दम घुटने लगा। सांस लेने में अत्यधिक कठिनाई हो रही थी। अवश्य ही उसे हार्ट अटैक आने वाला है, सोच कर ही वह सिंहर उठी। उसने समझदारी से काम लिया। एम्बुलेंस बुला कर वह स्वयं उसमें जा बैठी। अस्पताल घर के पास ही था, इसलिए वहां पहुंचने में देर नहीं लगी।

सभी टेस्ट करने के बाद पता चला कि उसके फेफड़ों में संक्रमण हो गया है। इलाज शुरू हो गया। पांच दिन वह अकेली अस्पताल में रही। उसने किसी को बताया ही नहीं। वैसे भी कौन ख़ाली बैठा है। पर अकेले समय काटना उसके लिए भारी हो गया था। डॉक्टर या सिस्टर आती तो कमरे का सूनापन थोड़ी देर के लिए कम हो जाता। दो दिन के बाद सुबह-शाम कॉरिडोर में चक्कर लगाने लगी। वार्ड में भी चली जाती। देखती सभी मरीज़ों के पास कोई न कोई सगा सम्बंधी बैठा होता। अस्पताल में मिलने के समय में भी सम्बंधी या परिचित मिलने आ जाते हैं। उस समय मरीज़ के चेहरे पर कितना आत्मसंतोष झलकता है। कोई है, जो अपना है। कितना कठिन होता है दुख की घड़ी में अकेलेपन के दंश को सहना, लेकिन सहना पड़ता है। उसने कुछ मरीज़ ऐसे भी देखे जिनके पास, उसकी तरह मिलने के समय में भी कोई नहीं आता था। घर में ऐक्वेरियम में मछलियां भी तो अकेलेपन को सह रही हैं। आती बार वह दाना डालना नहीं भूली थी, पर अब तक तो वे ख़त्म कर चुकीं होंगी। पांच दिन बाद वह घर लौट आई। कोई सहारा देकर अंदर ले जाने वाला तो था नहीं। थोड़े दिन के लिए एक नर्स का प्रबंध वह अस्पताल से ही करके आई थी। जो एक सप्ताह तक आती रही। फिर मेड को सुबह से शाम तक रोकने लगी। अब ऐक्वेरियम उसने कमरे में रखवा लिया था। एक शाम उसने देखा एक मछली सुस्त हो रही है। उसने खाना भी नहीं खाया और पत्थर के बीच दुबकी रही। शरीर में कोई हरकत नहीं थी। वह मर गई थी। उदासी और निराशा उसे सारा दिन घेरे रही। अब ऐक्वेरियम में एक ही मछली रह गई थी, अकेली उसकी तरह। दो दिन तक वह भी शिथिल रही। साथी के जाने का दुख था शायद। संवेदनाएं तो जीव-जन्तुओं में भी होती हैं, पर मनुष्य ही उनकी भावनाओं को नहीं समझ पाता। अब धीरे-धीरे वह स्वस्थ हो रही थी। मछली की आंखों में अकेलेपन का दर्द उसे दिखाई देने लगा था। वह उसकी ओर देखती, मानो कह रही हो, याचना कर रही हो ,जो वह समझ नहीं पा रही थी, पर एक दिन उसने मछली की आंखों की भाषा पढ़ ही ली थी। तब उसने एक निश्चय कर लिया था। वह ऐक्वेरियम के पास आकर उससे बोली, 'अरी, घबराती क्यों हो, अब तुम अकेली नहीं रहोगी, समझी।' सोने से पहले उसने सोचा- वह और मछलियां लाकर ऐक्वेरियम में छोड़ कर देगी। विशेष रूप से काली मछलियां ज़रूर लाएगी ताकि वह अकेली न रह जाए। उनके साथ बतियाते हुए उसका समय कट जाएगा; लेकिन अगले दिन सुबह जगने पर उसने अपना निर्णय बदल लिया था। एक बड़े डिब्बे में पानी भरा, ऐक्वेरियम को खोल कर उस काली मछली को उसमें डाल दिया। घर के पास ही एक छोटे से पौंड में उसे छोड़ते हुए कहा, "जाओ अपने साथियों के साथ मिलकर आज़ादी से रहो, अकेलेपन की पीड़ा क्या होती है, मैं जानती हूं। और हां, सुनो, मैं भी अब अकेली नहीं रहूंगी अस्पताल जाया करूंगी, उनके साथ रहूंगी, जिनका कोई नहीं, जो अकेले हैं।' मछली ने कुछ सुना या समझा, पता नहीं; लेकिन पौंड में जाते ही वह स्फूर्ति से तैरने लगी।

मछली की आंखों में अकेलेपन का दर्द उसे दिखाई देने लगा था। वह उसकी ओर देखती, मानो कह रही हो, याचना कर रही हो ,जो वह समझ नहीं पा रही थी, पर एक दिन उसने मछली की आंखों की भाषा पढ़ ही ली थी। तब उसने एक निश्चय कर लिया था। वह ऐक्वेरियम के पास आकर उससे बोली, 'अरी, घबराती क्यों हो, अब तुम अकेली नहीं रहोगी, समझी।' सोने से पहले उसने सोचा- वह और मछलियां लाकर ऐक्वेरियम में छोड़ कर देगी। विशेष रूप से काली मछलियां ज़रूर लाएगी ताकि वह अकेली न रह जाए। उनके साथ बतियाते हुए उसका समय कट जाएगा; लेकिन अगले दिन सुबह जगने पर उसने अपना निर्णय बदल लिया था।

कविता | चांदनी केशरवानी 'सुगंधा'

मुक्तक

यहां है झूठ थोड़ा तो यहां सच की भी माला है,
यहां अमृत अगर मिलता है तो विष का भी प्याला है,
यहां मन में ही उठते पाप पुण्यों के समुन्दर हैं
अगर मंथन करो मन का तो बनता इक शिवाला है।

जो पैर धरती पर रहे, आकाश चढ़ गए,
कांटों भरे ज़मीन पे ,पैदल ही बढ़ गए,
ख़ाली थे जिनके हाथ विरासत के नाम पर
मेहनत से अपने भाल पे वो जीत गढ़ गए।

बन्द दिलों के द्वार यहां तो खुलने दो,
प्रेम सुधा से नफ़रत को भी धुलने दो,
मत बांटो तुम रंगों से इस दुनिया को
रंग यहां अब प्रेम के सारे घुलने दो।

खा के ठोकर भी ख़ुद को सँवारा करो ,
मुश्किलों में भी डट कर गुज़ारा करो,
जीत अक्सर मिले, यह ज़रूरी नहीं ,
हार कर भी न हिम्मत, यूँ हारा करो।

,अहम से जो भरोगे तुम, यहाँ पहचान खो दोगे ।
बहेंगे अश्रु आँखों से अधर मुस्कान खो दोगे।
यहाँ नारी सभी पूजित, अमानत हैं धरा की वो
नहीं आदर किए इनकी तो तुम सम्मान खो दोगे।

कविता | लता

पंछी बन जाऊं मैं

मैं भी एक पंछी होती,
अपनी मर्जी से खेल पाती,
मुझे भी होती पूरी आजादी,
मैं भी कहीं भी घूम पाती,
अपनी मर्जी से सब खा पाती,
इतना ऊँचा मैं उड़ना चाहती,
किसी की सोच तक पहुँच न पाती,
किताबों के पंछी आसमान में उड़ते,
इतनी ऊंची वो उड़ान भरते कि,
फिर नीचे न किसी को देखते,
करते अपने मन की सौ बार,
फड़ फड़ उड़ जाते हर बार।।

लघुकथा | राजश्री गौड़

हिम्मत सिंह का दर्द

जब से सर्जिकल-स्ट्राइक-2 हुआ है, तमाम देशवासियों की तरह मेरे मुहल्ले के लोग भी बदले व जीत की खुशी से फूले नहीं समा रहे। गली-नुक्कड़ पर सभी नव-उत्साह से भरे प्रधानमंत्री के साहसिक कदम व सीमा के प्रहरी जाँबाजों की भूरि-भूरि प्रशंसा कर रहे हैं।

मेरे पड़ोस में ही रहने वाले हिम्मत सिंह हवलदार ड्युटी पर जाने को निकले तो पड़ोसियों का जमावड़ा देख दुआ-सलाम के साथ ही लगे देश की सुरक्षा सम्बंधी घटनाओं पर अपनी व्यथा उड़ेलने।

'आर्मी और एयरफोर्स तो पाकिस्तान पर सर्जिकल स्ट्राइक कर चुकी है, हमें भी तो मौका मिलना चाहिए। हम सिर्फ बापुओं व बाबाओं को पकड़ने के लिए ही हैं।'

'साहब, ये बाबा-बापु भी पकड़ने बहुत जरूरी हैं, जो देश की आधी आबादी व संस्कृति को शहीद करने में लगे हैं।'

हवलदार हिम्मत सिंह का सीना गर्व से फूल गया।

प्रदेश की समृद्ध साहित्यिक विरासत

मंथन | कमलेश शर्मा

हरियाणा की सोंधी मिट्टी में केवल किसान के पसीने की गंध ही नहीं, बल्कि साहित्यकारों की कलम से निकली स्याही की सुगंध भी उतनी ही गहराई से रची-बसी है। सरस्वती नदी के तट पर पल्लवित-पुष्पित हुई यह सभ्यता, जिसे भारतीय संस्कृति का पालना कहा जाता है, सदियों से साहित्य के सृजन और संवर्धन में एक मूक किंतु सशक्त प्रहरी की भूमिका निभाती आ रही है।

हरियाणा के हिंदी साहित्य वटवृक्ष का बीज नाथ साहित्य परंपरा में खोजा जा सकता है। अस्थल बोहर मठ इस परंपरा का वह ध्रुव तारा रहा है, जिसने हिंदी साहित्य को दिशा दिखाई। बाबा मस्तनाथ और विशेष रूप से चौरंगीनाथ, जिन्हें लोकगाथाओं में पूरण भगत के नाम से जाना जाता है, को हिंदी के प्रारंभिक गद्यकारों और कवियों की श्रेणी में शीर्ष स्थान प्राप्त है। उनकी कालजयी रचनाओं, जैसे 'प्राण संकली' में हमें अपभ्रंश और पुरानी हिंदी का वह दुर्लभ संक्रांति-कालीन स्वरूप देखने को मिलता है, जिसने आगे चलकर आधुनिक खड़ी बोली हिंदी की नींव रखी। मध्यकाल में जब संपूर्ण भारतवर्ष भक्ति रस में सराबोर था, तब हरियाणा की पावन धरा भी इस आध्यात्मिक क्रांति से अछूती नहीं रही।

महाकवि सूरदास : फरीदाबाद के सीही गांव की मिट्टी ने हिंदी साहित्य को वह अनमोल रत्न दिया, जिसे दुनिया महाकवि सूरदास के नाम से जानती है। अपनी प्रज्ञाचक्षुओं से सूरदास ने 'सूरसागर' के माध्यम से ब्रजभाषा को जो लालित्य और माधुर्य प्रदान किया, वह अद्वितीय है। उनके वात्सल्य और श्रृंगार वर्णन में मानवीय संवेदनाओं की जो सूक्ष्मता मिलती है, वह विश्व साहित्य में दुर्लभ है।

संत गरीबदास : इसी कालखंड में झज्जर के संत गरीबदास ने निर्गुण भक्ति परंपरा को आगे बढ़ाया। उनकी वाणी में कबीर की वैचारिक परंपरा का विस्तार दिखाई देता है, जिसमें सामाजिक कुरीतियों पर प्रहार और मानवीय समानता का संदेश स्पष्ट रूप से उभरता है। उनकी भाषा हरियाणवी मिश्रित हिंदी थी, जो सीधे जनसाधारण के हृदय तक पहुंचती थी।

महाकवि संतोख सिंह : इसी वैचारिक श्रृंगार में कैथल के राजकवि महाकवि संतोख सिंह का योगदान भी अविस्मरणीय है, जिन्होंने 'श्री गुरु प्रताप सूरज ग्रंथ' जैसी विशालकाय कृति रचकर ब्रजभाषा को शास्त्रीय ऊंचाइयां प्रदान की। अठारह सौ सत्तावन की महान क्रांति के दौरान यहां का साहित्य दरबारों से निकलकर रणक्षेत्रों में गूंजने लगा। लोककवियों, जिन्हें इतिहास की किताबों में भले ही स्थान न मिला हो, ने अंग्रेजी हुकूमत के खिलाफ ऐसे ओजस्वी गीत और रागनियां लिखी। आल्हा गायन और वीरगाथाओं ने युवाओं में नए जोश भरने का कार्य किया।

बल्लभगढ़ के राजा नाहर सिंह और झज्जर के नवाब अब्दुर्रहमान खान की शहादत पर रचे गए लोकगीत हरियाणा में बड़े आदर से गाए जाते हैं, जो यह प्रमाणित करते हैं कि इस भूमि पर कलम और तलवार, दोनों ही स्वाधीनता संघर्ष के समान रूप से भागीदार रहे हैं। आधुनिक हिंदी साहित्य के निर्माण में हरियाणा के मनीषियों का योगदान नींव के पत्थर समान है।

बाबू बालमुकुंद गुप्त : रेवाड़ी के गुड़ियानी गांव के सपूत बाबू बालमुकुंद गुप्त को भारतेंदु युग और द्विवेदी युग के बीच की सबसे मजबूत कड़ी माना जाता है। जब देश गुलाम था, तब उन्होंने 'शिवशंभू के चिट्ठे' के माध्यम से तत्कालीन निरंकुश शासकों की सत्ता को अपने व्यंग्य से हिलाकर रख दिया था। उनकी कलम ने भयमुक्त पत्रकारिता के उच्च प्रतिमान स्थापित किए।

पंडित माधव प्रसाद मिश्र : इसी दौर में भिवानी के कुंगड़ गांव के पंडित माधव प्रसाद मिश्र ने हिंदी कहानी को नई दिशा दी। उनकी कहानी 'लड़की की बहादुरी' को हिंदी की प्रारंभिक मौलिक कहानियों में गिना जाता है, जिसने यथार्थवाद की जमीन तैयार की।

तुलसीराम शर्मा 'दिनेश' : भिवानी के ही तुलसीराम शर्मा 'दिनेश' ने 'पुरुषोत्तम' और 'भक्त-भारती' जैसे महाकाव्यों की रचना कर हिंदी प्रबंध काव्य की परंपरा को समृद्ध और गौरवन्वित किया। जहां एक ओर शिष्ट हिंदी साहित्य अपनी ऊंचाइयां छू रहा था, वहीं, दूसरी ओर हरियाणवी लोकभाषा का साहित्य जन-जन की आवाज बन रहा था।

पंडित लखमीचंद : पंडित लखमीचंद को हरियाणवी साहित्य का सूर्य कवि कहा जाता है। उन्होंने 'सांग' विधा को सामान्य मनोरंजन से निकालकर दार्शनिक ऊंचाइयों तक पहुंचाया। उनके सांगों में वेदों का ज्ञान और लोकजीवन का अनुभव एक साथ मिलता है। उनके समकालीन और शिष्यों ने इस परंपरा को और निखारा। वहीं, पंडित मांगेराम अपनी विलक्षण प्रतिभा, छंदविधान और शिल्पगत अनुशासन के लिए विख्यात हुए। मांगेराम ने रागिनी को एक सुगठित साहित्यिक ढांचा प्रदान किया। उनकी 'कृष्ण-सुदामा' और 'शकुंतला-दुष्यंत' जैसी रचनाएं भाषा की शुद्धता की मिसाल हैं।

हरियाणा का साहित्यिक इतिहास वैदिक ऋचाओं की पवित्रता से लेकर आधुनिक विमर्श तक की एक अनवरत यात्रा है। इसमें नाथ योगियों का वैराग्य है, तो संत कवियों की निश्छल भक्ति भी; इसमें क्रांतिकारियों का ओज है, तो आधुनिक लेखकों की वैचारिक प्रखरता भी।

बाजे भगत : बाजे भगत इस परंपरा में एक समाज सुधारक के रूप में उभरे, जिन्होंने अपनी कविताओं से पाखंड और सामाजिक कुरीतियों पर तीखे वार किए। इनके साथ-साथ अनेक लोककवियों ने इस यज्ञ में अपनी-अपनी आहूतियाँ डाली।

राजाराम शास्त्री : हरियाणवी साहित्य केवल पद्य तक सीमित नहीं रहा, बल्कि आधुनिक काल में राजाराम शास्त्री ने 'झाड़फिरी' नामक प्रथम हरियाणवी उपन्यास लिखकर गद्य लेखन का श्रीगणेश किया। इस उपन्यास में ग्रामीण हरियाणा के ताने-बाने, अंधविश्वास और रिश्तों की जटिलताओं का जैसा यथार्थवादी चित्रण मिलता है, वह अन्यत्र दुर्लभ है। समग्रतः यह कहा जा सकता है कि हरियाणा का साहित्यिक इतिहास वैदिक ऋचाओं की पवित्रता से लेकर आधुनिक विमर्श तक की एक अनवरत यात्रा है। इसमें नाथ योगियों का वैराग्य है, तो संत कवियों की निश्छल भक्ति भी; इसमें क्रांतिकारियों का ओज है, तो आधुनिक लेखकों की वैचारिक प्रखरता भी। हरियाणा का साहित्य इस वीर भूमि के स्वाभिमान, संघर्ष, सांस्कृतिक चेतना और अदम्य जिजीविषा का जीवंत परिचय कहा जा सकता है।

जज्बातों, कशमकश और यथार्थ का संगम है 'मुनासिब'

पुस्तक : मुनासिब
लेखक : चरणजीत चरण
मूल्य : 200 रुपये
प्रकाशक : अद्विक पब्लिकेशन, दिल्ली

पुस्तक समीक्षा | डॉ. विजेंद्र कुमार

साहित्य समाज का दर्पण होता है, लेकिन गज़ल उस दर्पण में पड़ने वाली अक्स की 'रूह' होती है। सुप्रसिद्ध गज़लकार चरणजीत चरण का गज़ल संग्रह 'मुनासिब' इसी रूह की तलाश करता हुआ प्रतीत होता है। इस संग्रह के शेर न केवल पढ़ने वाले को अपनी ओर खींचते हैं, बल्कि वे पाठक के दिल में दबे उन जज्बातों को जुबान देते हैं जो अक्सर खामोश रह जाते हैं। 'मुनासिब' में इश्क़ की टीस भी है, रिश्तों की गरिमा भी, और बदलते समाज पर एक तीखा कटाक्ष भी। चरणजीत की शायरी में प्रेम का वह रूप दिखाई देता है जो फिल्मी नहीं, बल्कि यथार्थवादी है। प्रेम और पारिवारिक जिम्मेदारियों के बीच पिसते हुए आम आदमी की दास्तां इस शेर में बखूबी बयां होती हैः

दबाकर हाथ मेरा ज़ोर से हंसते हुए बोली
अगर अब वस्ल का सोचेंगे तो घर टूट जाएगा

यहाँ 'घर' और 'वस्ल' (मिलन) के बीच का द्वंद्व पाठक को भीतर तक झकझोर देता है। इसी कशमकश का विस्तार उस शेर में मिलता है जो शायद इस संग्रह का शीर्षक-शेर भी कहा जा सकता हैः

न घर जाना मुनासिब था, न मर जाना मुनासिब था
जहां हम थे वहां से बस बिछड़ जाना मुनासिब था

यह शेर बेबसी की उस पराकाष्ठा को छूता है जहां 'बिछड़ना' चुनाव नहीं, बल्कि एकमात्र विकल्प रह जाता है। शायर ने 'मुनासिब' शब्द का प्रयोग जिस नज़ाकत से किया है, वह उनकी भाषाई पकड़ का सबूत है। चरणजीत की गज़लें सिर्फ गम का रोना नहीं रोतीं, बल्कि वे जीने का हौसला भी देती हैं। आज के दौर में जहां हर कोई ज्यादा पाने की होड़ में है, वहाँ शायर 'कम' में गुज़ारा करने की बात कर एक साधुत्व का परिचय देता हैः'कौन ख़ुशी का रास्ता देखे ग़म से काम चला लेंगेतुम अपना पूरा कर लो हम कम से काम चला लेंगे'यह पंक्ति त्याग और प्रेम में समर्पण की पराकाष्ठा है। 'मुनासिब' संग्रह केवल निजी जज्बातों तक सीमित नहीं है। इसमें समाज की विसंगतियों पर भी चोट की गई है। कुल मिलाकर, यह संग्रह 'मुनासिब' यादों, कसक, नैतिकता और जीवन के छोटे-छोटे पलों का एक खूबसूरत गुलदस्ता है। यह संग्रह साबित करता है कि अच्छी शायरी वह नहीं जो सिर्फ वाह-वाही लूटे, बल्कि वह है जो पाठक को यह महसूस कराए कि यह उसी की कहानी है। निस्संदेह यह संग्रह पाठकों की यादों में लंबे समय तक महकता रहेगा।

दिल्ली में रोहिणी के युवा शक्ति मॉडल स्कूल में हुई 19वीं जूनियर नेशनल चैंपियनशिप

तमिलनाडु को हराकर हरियाणा की बेटियों ने जीती फ्लोरबॉल ट्रॉफी

हरियाणा की टीम ने छत्तीसगढ़ को 4-0, बिहार को 5-0, कर्नाटक को 9-0 से हराया

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रोहतक

रोहतक। विजेता अपनी ट्रॉफी के साथ। फोटो : हरिभूमि

दिल्ली में रोहिणी के युवा शक्ति मॉडल स्कूल में सम्पन्न हुई 19 वीं जूनियर राष्ट्रीय फ्लोरबॉल चैम्पियनशिप में हरियाणा की लड़कियों की टीम ने शानदार प्रदर्शन कर प्रथम स्थान प्राप्त किया। फ्लोरबाल संघ के प्रदेशाध्यक्ष गजेन्द्र फोगाट ने बताया कि लीग मैच में हरियाणा की टीम ने छत्तीसगढ़ को 4-0, बिहार को 5-0, कर्नाटक को 9-0 से हराकर अपने पुल में प्रथम रही। सेमीफाइनल मुकाबले में उत्तर प्रदेश के साथ हुए मुकाबले में उत्तर प्रदेश की टीम को 2-1 के अंतर से हराकर फाइनल में प्रवेश किया। फाइनल मुकाबला तमिलनाडुके साथ हुआ, जिसमें हरियाणा ने तमिलनाडु को 4-1 के अंतर से हराकर शानदार प्रदर्शन करते हुए प्रथम स्थान प्राप्त कर ट्रॉफी पर कब्जा किया। हरियाणा टीम कैप्टन चेष्टा छिल्लर को सबसे अधिक 19 गोल करने पर बेस्ट खिलाड़ी के अवार्ड से सम्मानित किया गया । इस मौके पर सनसिटी क्लब में आयोजित सम्मान समारोह में विजेता टीम का हरियाणा पहुंचने पर स्वागत व सम्मान किया।

नशे से दूरी और खेल हो मजबूती का नारा दिया

फ्लोरबॉल के अध्यक्ष व मुख्यमंत्री के ओएसडी गजेंद्र फोगाट ने टीम को जीत की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि हरियाणा की बेटियां स्वर्ण पदक ले कर आई हैं, जिससे आने वाली अंतरराष्ट्रीय प्रतिस्पर्धाओं में इनका स्थान पक्का हो गया है। उन्होंने सभी खिलाड़ियों को नशे से दूरी और खेल हो मजबूती का नारा दिया। इस मौके पर फूल-मालाओं से स्वागत सभी बेटियों का स्वागत करके उन्हें इनाम भी वितरित किये। इस मौके पर राष्ट्रीय उपाध्यक्ष दीपेंद्र आर्य व प्रदेश कोषाध्यक्ष सुरजीत ने सभी खिलाड़ियों को डाइट के बारे में टिप्स दिए। टीम में कप्तान चेष्टा छिल्लर, सिमरन, कनिष्का, शिखा, निधि, हिमांशी, पलक, तन्नु, सविता, टीम कोच मनीषा रही। इस अवसर पर डॉ. दीपेंद्र आर्य, हरियाणा फ्लोरबाल संघ के उपाध्यक्ष सुभाष रुहील, विकास, कोषाध्यक्ष सुरजीत नैन, मुकेश कुमार, टाइगर मेहर सिंह, कर्मजीत नैन, मास्टर जगत चहल, हरियाणा फ्लोरबाल संघ के किट पार्टनर संजय रोहिल्ला उपस्थित रहे।

नेशनल खो-खो चैंपियनशिप के लिए हरियाणा टीम में 50 खिलाड़ियों का चयन

रोहतक। 35वीं सब जूनियर नेशनल खो-खो चैंपियनशिप के लिए हरियाणा राज्य की बालक व बालिका टीमों का ट्रायल रविवार को आयोजित किया गया। इसमें हरियाणा की टीम का चयन किया गया। हरियाणा की टीम में 25 लड़के व 25 लड़कियों कुल मिलाकर 50 खिलाड़ियों का चयन किया गया। ट्रायल जिले के राजीव गांधी स्टेडियम में आयोजित किया गया। रोहतक खो संघ के सचिव उपेंद्र नैन की ओर से ट्रायल आयोजित की गई। उन्होंने बताया कि इस ट्रायल में चयनित खिलाड़ी 35वीं राष्ट्रीय खो-खो चैंपियनशिप में हरियाणा का प्रतिनिधित्व करेंगे। राष्ट्रीय खो-खो चैंपियनशिप 31 जनवरी से 4 फरवरी तक कुरुक्षेत्र में आयोजित की जाएगी। उन्होंने बताया कि चयन प्रक्रिया खिलाड़ी की योग्यता और उसके खेल कौशल के आधार पर की गई। कोच मुनि जून, जिला खो-खो संघ के प्रधान सुभाष रुहील बलवान, अरबाज राणा ने चयनित खिलाड़ियों को बधाई। उन्होंने नेशनल प्रतियोगिता में शानदार प्रदर्शन करने के लिए प्रेरित किया। इस अवसर जसवंत हुड्डा, अनुप सैनी, अरुण सैनी, योगेश हुड्डा मौजूद रहे।

गुलशन शर्मा ने जीते तीन गोल्ड मेडल

रोहतक। महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय में 35वी हरियाणा वेटरन एथलेटिक्स चैंपियनशिप का आयोजन हुआ। जिसमें गुलशन शर्मा ने 65 प्लस आयु वर्ग में गोला फेंक में गोल्ड मेडल, डिस्कस थ्रो में गोल्ड मेडल व हैमर थ्रो में भी गोल्ड मेडल जीता। जिस के लिए हरियाणा वेटरन एथलेटिक्स एसोसिएशन ने गुलशन शर्मा को एक्सिलेंस इन स्पोर्ट्स के अलंकृत किया। इससे पहले भी गुलशन शर्मा ने प्रदेश स्तर, राष्ट्रीय स्तर एवं अंतर्राष्ट्रीय स्तर अनेकों मेडल जीत कर भारत , हरियाणा रोहतक व गांव आंवल का नाम रोशन किया है।

महिला टेनिस टूर्नामेंट में एमडीयू, पंजाब यूनिवर्सिटी और सीसीएसयू की शानदार जीत

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रोहतक

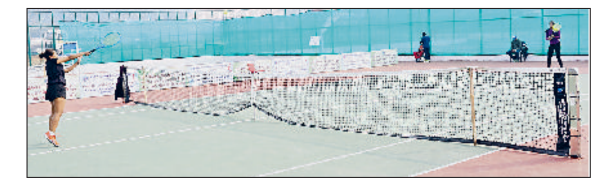

महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय (एमडीयू) के खेल परिसर में आयोजित ऑल इंडिया इंटर यूनिवर्सिटी महिला टेनिस टूर्नामेंट के दूसरे दिन रविवार को कई रोमांचक मुकाबले खेले गए। प्रतियोगिता में देश के विभिन्न विश्वविद्यालयों की टीमों ने भाग लिया और उच्च स्तरीय खेल का प्रदर्शन कर दर्शकों का भरपूर मनोरंजन किया। दूसरे दिन के मुकाबलों में मेजबान महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय, रोहतक की महिला टेनिस टीम ने शानदार शुरुआत करते हुए यूनिवर्सिटी ऑफ कलकत्ता को सीधे सेटों में 2-0 से पराजित किया। एमडीयू की खिलाड़ियों ने पूरे मैच के दौरान बेहतरीन तालमेल, सटीक स्ट्रोक्स और मजबूत रणनीति का प्रदर्शन किया, जिससे विपक्षी टीम को वापसी का कोई मौका नहीं मिल सका। वहीं, एक अन्य महत्वपूर्ण मुकाबले में पंजाब यूनिवर्सिटी, चंडीगढ़ की टीम ने अन्ना यूनिवर्सिटी, चेन्नई को 2-0 से शिकस्त देकर टूर्नामेंट में अपनी मजबूत दावेदारी पेश की। पंजाब यूनिवर्सिटी की खिलाड़ियों ने तेज सर्विस, दमदार रिटर्न और अनुशासित खेल से दर्शकों की प्रशंसा बटोरी। इसके अलावा चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय (सीसीएसयू), मेरठ की टीम ने भी शानदार प्रदर्शन करते हुए कीट यूनिवर्सिटी, भुवनेश्वर को 2-0 से हराकर अगले दौर में प्रवेश किया। सीसीएसयू की खिलाड़ियों ने मैच के हर पहलू में संतुलित और आक्रामक खेल दिखाया।

मैचों के दौरान खिलाड़ियों ने न केवल तकनीकी दक्षता बल्कि खेल भावना और अनुशासन का भी उत्कृष्ट परिचय दिया। दर्शकों ने खिलाड़ियों के उत्साहवर्धन में कोई कसर नहीं छोड़ी, जिससे पूरे परिसर में खेल का माहौल जीवंत बना रहा। इस अवसर पर विश्वविद्यालय की खेल निदेशक डॉ. शकुंतला बेनीवाल, सहायक खेल निदेशक डॉ. तेजपाल और टेनिस कोच शरवन कुमार मौजूद रहे।

रोहतक जिले की हॉकी टीम के कैंप में 44 खिलाड़ियों का चयन हुआ

रोहतक। हॉकी एसोसिएशन रोहतक की ओर से हरियाणा स्टेट सब जूनियर व जूनियर प्रतियोगिता के लिए रोहतक की टीम का ट्रायल रविवार को आयोजित करवाया गया। ट्रायल में चयनित खिलाड़ी जिला कैंप में भाग लेंगे। कैंप के लिए सब जूनियर व जूनियर वर्ग में 22-22 कुल 44 खिलाड़ियों का चयन हुआ। यह ट्रायल जाट कॉलेज के मैदान में आयोजित किया गया। कैंप 19 से 22 जनवरी तक जाट कॉलेज के मैदान में आयोजित किया जाएगा। कैंप में रोहतक की टीम का चयन किया जाएगा। दोनों वर्गों में कुल 36 खिलाड़ियों का चयन जाएगा। हॉकी एसोसिएशन रोहतक सचिव व पूर्व हॉकी प्रशिक्षक कृष्ण सिंह सैनी ने बताया कि हरियाणा स्टेट सब जूनियर व जूनियर प्रतियोगिता 23 से 28 जनवरी तक नरवाना में आयोजित की जाएगी।

जूडो प्रतियोगिता में एमडीयू की शीतल ने जीता कांस्य पदक

रोहतक। नॉर्थ जोन इंटर यूनिवर्सिटी जूडो प्रतियोगिता में महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय (एमडीयू) की शीतल कुमारी ने 78 किलोग्राम भारवर्ग में शानदार प्रदर्शन करते हुए कांस्य पदक जीता। यह प्रतियोगिता फगवाड़ा पंजाब में 15 से 18 जनवरी तक आयोजित की गई। शीतल की जीत से उनके परिवार में खुशी का माहौल है। एमडीयू कुलपति प्रो. राजबीर सिंह, कुलसचिव डॉ. कृष्ण कांत, खेल निदेशक डॉ. शकुंतला बेनीवाल ने विजेता खिलाड़ी को बधाई दी। कोच सुभाष, पदमा मित्तल व कोच सतपाल सिंह ने भी विजेता खिलाड़ी का हौसला बढ़ाया। उन्होंने आगे भी शानदार प्रदर्शन करने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने बताया कि इससे पहले भी शीतल ने शानदार प्रदर्शन करके विवि का नाम रोशन किया।

नेशनल बॉक्सिंग चैंपियनशिप में जिया ने जीता सोना

रोहतक। अंडर-14 नेशनल बॉक्सिंग चैंपियनशिप में शानदार प्रदर्शन करते हुए रोहतक की जिया अहलावत ने स्वर्ण पदक जीता। यह प्रतियोगिता खरखौदा में 17 व जनवरी को आयोजित की गई। जिया ने शनादार प्रदर्शन करके जिले व प्रदेश का नाम रोशन किया। जिया ने जीत का सारा श्रेय अपने कोच व माता-पिता को दिया। कोच रानी हुड्डा ने विजेता खिलाड़ी को बधाई दी। उन्होंने आगे भी शानदार प्रदर्शन करने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने बताया कि इससे पहले भी जिया ने शानदार प्रदर्शन करके जिले का नाम रोशन किया है।

खबर संक्षेप

लड्डू की दाल के लिए मशहूर रविंद्र कटारिया का निधन

रोहतक। लड्डू की दाल के लिए मशहूर होटल संचालक रविंद्र कटारिया का रविवार को निधन हो गया। वह अपनी दाल के लिए हिसार से लेकर चर्चा तक विख्यात थे। उनका होटल भिवानी स्टैंड पर है। उनके निधन से परिवार सहित व्यापारी जगत में शोकव्याप्त है। वह कई दशक से रोहतक में मशहूर थे।

आदर्श शिक्षण संस्थान मदीना में बांटे 600 कंबल

महम। आदर्श सीनियर सेकेंडरी स्कूल मदीना में कंबल वितरण समारोह हुआ। इस मौके पर हड्डी रोग विशेषज्ञ डॉक्टर हरमिंदर सिंह जुनेजा बतौर मुख्य अतिथि उपस्थित हुए। डॉ. जुनेजा ने ग्रामीणों को कंबल वितरित किए। समारोह में वरिष्ठ अधिवक्ता नरेंद्र कटारिया और अठगामा प्रधान वेदप्रकाश आर्य बतौर विशिष्ट अतिथि शामिल हुए। सभी ने आदर्श शिक्षण संस्थान के चेयरमैन जयनारायण के कंबल वितरण अभियान की सराहना की। हर साल ही वे सर्दी के मौसम में कंबल वितरण करते हैं। यह एक सेवा का कार्य है। हम सबको इस तरह की सेवा करनी चाहिए। इस दौरान 600 कंबल बांटे गए। जयनारायण ने कहा कि हमें अपनी नेक कमाई से दान करना चाहिए।

900 बच्चों ने दिया हरिदास स्कॉलरशिप कम एडमिशन टेस्ट

- बहुअकबरपुर के एचडी पब्लिक स्कूल में परीक्षा का आयोजन

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रोहतक

एचडी पब्लिक स्कूल, बहुअकबरपुर में आयोजित हरिदास स्कॉलरशिप कम एडमिशन टेस्ट 2026 ने क्षेत्रीय शिक्षा जगत में एक नई पहचान स्थापित की। इस अवसर पर यूकेजी से कक्षा 12वीं तक 900 से अधिक विद्यार्थियों की सहभागिता ने आयोजन को ऐतिहासिक बना दिया। परीक्षा के माध्यम से न केवल मेधावी विद्यार्थियों की पहचान की गई, बल्कि गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के प्रति विद्यालय की प्रतिबद्धता भी स्पष्ट रूप से सामने आई। यह परीक्षा बाल प्रतिभा विकास चरण (येकेजी से 5वीं), फाउंडेशन कक्षाएं (6वीं से 10वीं) तथा कक्षा 11वीं–12वीं के विद्यार्थियों के लिए आयोजित की गई, जिसमें जेईई, एनईईटी, एनडीए, सीएलएटी, सीए और सीयूईटी जैसी प्रतिष्ठित प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी को ध्यान में रखा गया। आयोजन विद्यालय निदेशक सुरेन्द्र सिंह फोगाट के कुशल निर्देशन तथा अकादमिक डायरेक्टर एवं पूर्व जिला शिक्षा अधिकारी कृष्णा बल्हारा फोगाट की गरिमामयी देखरेख में सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। परीक्षा के उपरांत एवं विद्यालय भ्रमण के दौरान अभिभावकों ने विद्यालय की व्यवस्थाओं की खुले दिल से सराहना की। अभिभावकों का कहना था कि, “कई बड़े शहरी विद्यालय देखने के बावजूद ग्रामीण परिवेश में एच.डी. पब्लिक स्कूल द्वारा प्रदान की जा रही अकादमिक गुणवत्ता, अनुशासन, आधुनिक संसाधन और सुरक्षित वातावरण वास्तव में प्रशंसनीय और अनुकरणीय हैं।”

अपने प्रेरक संबोधन में पूर्व जिला शिक्षा अधिकारी कृष्णा बल्हारा फोगाट ने कहा,

“हर बच्चा जन्म से ही प्रतिभावान होता है। अभिभावक, शिक्षक और विद्यालय की त्रिकोणीय सहभागिता से ही बच्चों का सर्वांगीण विकास संभव है। आप अपने बच्चों को हमें सौंपिए, हम उनकी प्रतिभा को पहचानकर उनके सपनों को दिशा देंगे और उन्हें राष्ट्र-निर्माता बनने के लिए तैयार करेंगे।”

बाबा मस्तनाथ मठ में स्वामी रामदेव का आगमन, योग और सेवा पर हुआ संवाद

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रोहतक

बाबा मस्तनाथ विश्वविद्यालय और श्री बाबा मस्तनाथ मठ में पतंजलि योगपीठाधीश्वर एवं प्रख्यात योग गुरु स्वामी रामदेव के आगमन पर उत्साह और श्रद्धा का वातावरण देखने को मिला। उनके दौरे को विश्वविद्यालय, मठ और पूरे क्षेत्र के लिए प्रेरणादायी बताया गया। मठाधीश महंत बालकनाथ योगी ने मठ परिसर पहुंचने पर स्वामी रामदेव का पारंपरिक तरीके से पुष्पगुच्छ भेंट कर स्वागत किया।

स्वामी रामदेव की उपस्थिति को योग, स्वास्थ्य, अनुशासित जीवनशैली और समग्र कल्याण के सशक्त संदेश के रूप में देखा गया। उन्होंने योग को दैनिक जीवन का अभिन्न हिस्सा बनाने की आवश्यकता पर बल देते हुए कहा कि स्वस्थ समाज ही सशक्त राष्ट्र की नींव होता है। उन्होंने विद्यार्थियों और समाज से योग को जीवन पद्धति के रूप में अपनाने का आह्वान किया।

मठ परिसर में हुई चर्चा के दौरान महंत बालकनाथ योगी और स्वामी रामदेव के बीच श्री बाबा मस्तनाथ मठ में आयोजित होने वाले आगामी माई चौदस मेले तथा सिद्ध शिरोमणि बाबा मस्तनाथ जी महाराज की पुण्य स्मृति में प्रस्तावित तीन दिवसीय मेले को लेकर विचार-विमर्श हुआ। दोनों ने इन आयोजनों के माध्यम से आध्यात्मिक चेतना के साथ-साथ सामाजिक सहभागिता को और अधिक मजबूत करने पर सहमति जताई।

जेपी इंटरनेशनल स्कूल में फाउंडेशन टेस्ट

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रोहतक

जे पी इंटरनेशनल विद्यालय में सुपर 20 बैच के लिए फाउंडेशन टेस्ट का आयोजन किया गया। इस टेस्ट में रोहतक के विभिन्न विद्यालयों से 1000 से अधिक छात्रों ने भाग लिया। 1 अप्रैल 2026 से स्कूल में तीसरी से 12वीं तक सुपर 20 की कक्षाएं आरंभ की जाएगी। इन कक्षाओं में छात्रों को एमडीए, आईआईटी , एनईईटी, एनटीएसई जैसी प्रतियोगिता परीक्षाओं के लिए तैयार किया जाएगा। फाउंडेशन टेस्ट में टॉप 5 विद्यार्थियों को 100% स्कॉलरशिप दी जाएगी। जिससे प्रतिभाशाली छात्रों को आर्थिक लाभ के साथ-साथ सुनहरा भविष्य बनाने का शानदार मौका मिलेगा। इस परीक्षा के माध्यम से छात्रों को लगभग दो करोड़ तक की स्कॉलरशिप दी। बच्चों की परीक्षा के साथ अभिभावकों के लिए ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी की तरफ से एक वर्कशॉप का आयोजन किया गया। इस अवसर पर छात्रों और अभिभावकों में परीक्षा को लेकर जोश दिखाई दिया। जिसमें अभिभावकों को बच्चों के मानसिक व शारीरिक समायोजन की विभिन्न विधियों का विस्तार पूर्वक ज्ञान प्रधान किया गया।

शुभकामनाएं दी

जेपी शिक्षा संस्थान के चेयरपर्सन राजीव मलिक, डायरेक्टर गौरव मालिक, एकेडमिक डायरेक्टर गरिमा मलिक और प्राचार्य बाय नाथ नाइक ने छात्रों को परीक्षा के लिए शुभकामनाएं दी।

नेशनल ओपन शटलकॉक चैंपियनशिप में हरियाणा चैंपियन

रोहतक। नेशनल ओपन शटलकॉक चैंपियनशिप का रविवार को समापन हुआ। इस प्रतियोगिता में देश भर के खिलाड़ियों ने अपने कौशल का प्रदर्शन किया, जिसमें हरियाणा की टीम ने अपने दबदबे को कायम रखते हुए ओवरऑल प्रथम स्थान प्राप्त किया। प्रतियोगिता में पंजाब दूसरे और दिल्ली तीसरे स्थान पर रही। समापन समारोह के मुख्य अतिथि और शटलकॉक एसोसिएशन ऑफ इंडिया के महासचिव सुदेश कुमार ने विजेता खिलाड़ियों को पदक पहनाकर सम्मानित किया। इस नेशनल चैंपियनशिप के आधार पर 5वीं हांगकांग ओपन शटलकॉक चैंपियनशिप के लिए भारतीय टीम का चयन भी कर लिया गया है। यह अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिता 5 से 9 फरवरी 2026 तक हांगकांग में आयोजित की जाएगी। सब-जूनियर वर्ग में हरियाणा ने पहला, दिल्ली ने दूसरा व राजस्थान ने तीसरा, जूनियर महिला वर्ग में हरियाणा ने पहला, दिल्ली ने दूसरा व राजस्थान ने तीसरा स्थान हासिल किया।

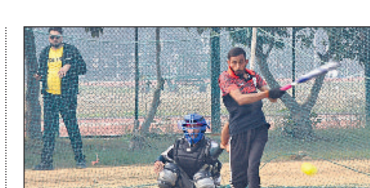

हिंदू और जाट कॉलेज के बीच साफ्टबॉल का फाइनल मैच आज

रोहतक। एमडीयू में दो दिवसीय इंटर कॉलेज साफ्टबॉल स्पर्धा रविवार से शुरू हुई। पहले दिन के मुकाबलों में लाल नाथ हिंदू कॉलेज व जाट कॉलेज ने फाइनल में जगह बनाई। सोमवार को फाइनल मुकाबला व तीसरे और चौथे स्थान के लिए मुकाबले खेले जाएंगे पहले मैच में लाल नाथ हिंदू कॉलेज ने यूटीडी एमडीयू को 2-0 से, दूसरे मैच में जाट कॉलेज ने गौड़ ब्राह्मण डिग्री कॉलेज को 3-0 व तीसरे मैच में लाल नाथ हिंदू कॉलेज ने अग्रवाल कॉलेज बल्लभगढ़ को 5-0 से हराया।

चौधरी बख्तावर सिंह ने संजू स्टार को 9 विकेट से हराया

रोहतक। विश्वकर्मा क्रिकेट ग्राउंड पर रविवार को खेले गए गोयल विंटर क्रिकेट कप 2026 के लीग मुकाबले में चौधरी बख्तावर सिंह क्रिकेट क्लब ने संजू स्टार्स को 9 विकेट से हराकर आसान जीत दर्ज की। टॉस जीतकर क्लब ने पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया। पहले बल्लेबाजी करते हुए स्टार्स की टीम बुरी तरह लड़खड़ा गई और मात्र 16.2 ओवरों में 88 रन पर ऑलआउट हो गई। टीम की ओर से मनीष भारद्वाज ने सबसे अधिक 36 गेंदों पर 48 रन बनाए, जिसमें 7 चौके और 2 छक्के शामिल थे। कप्तान सुमित राठी ने 17 रन का योगदान दिया, क्लब की ओर से गेंदबाजी में रमेश लाला ने घातक प्रदर्शन करते हुए 4 ओवर में मात्र 5 रन देकर 3 विकेट झटके। 89 रन के लक्ष्य का पीछा करने उतरी क्लब की टीम के अभिषेक सहारण ने 32 गेंदों पर नाबाद 51 रन बनाए। उनके साथ सोनू राठी ने नाबाद 17 रन बनाए और टीम को 12 ओवरों में ही जीत दिला दी। टीम ने केवल 1 विकेट खोकर लक्ष्य हासिल कर लिया।

MANSAROVER HOSPITAL
MULTI SUPER SPECIALITY HOSPITAL
NEAR PNB BANK, OPP. VIKAS NAGAR, SONIPAT ROAD, ROHTAK, HARYANA
RECEPTION: 01262-253500, 9053005599, 9254302848
Latest MRI & Multi Slice CT SCAN
• Neuro Surgery
• General Medicine
• General Surgery
• Orthopedics
• ब्रेन, रीढ़ की हड्डियों का ईलाज
• दूरबीन द्वारा सभी बिमारियों के ऑपरेशन
• पेट, छाती से सम्बंधित सभी बिमारियों का ईलाज
फौजी भाईयों का इलाज ECHS
• हरियाणा सरकार
• आयुष्मान भारत
• ESIC
के पैनल पर
DR. BALKISHAN GOEL
M.B.B.S, M.S, M.CH.
TRAUMA CENTRE, ICU & CRITICAL CARE
NEURO-ICU, GENERAL ICU, HDU (HIGH DEPENDANCY UNIT) जहर POISONING CASE
24 HRS LAB/CAFE/PHARACY/AMBULANCE

पहल सांग परंपरा को जीवित रखने में अहम योगदान देने वाले होंगे सम्मानित

लुप्त होती सांग परंपरा को मिलेगी नई उड़ान डीएलसीसुपवा में होगा भव्य सांग समागम

22 जनवरी को सेंट्रल आडिटोरियम में होगा एक दिवसीय सांग का आयोजन

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रोहतक

दादा लख्मी चंद स्टेट यूनिवर्सिटी ऑफ परफॉर्मिंग एंड विजुअल आर्ट्स (डीएलसीसुपवा) ने हरियाणा की विलुप्त होती सांस्कृतिक धरोहर सांग को पुनर्जीवित करने की ऐतिहासिक पहल की है। इसी कड़ी में 22 जनवरी को विश्वविद्यालय के सेंट्रल ऑडिटोरियम में एक दिवसीय सांग समागम का आयोजन किया जाएगा। इस कार्यक्रम में प्रदेश की प्रतिष्ठित सांग मंडलियां अपनी मनमोहक प्रस्तुतियां देंगी। समारोह में राज्य के शिक्षा एवं संसदीय कार्य मंत्री महिपाल ढांडा मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत करेंगे।

कुलगुरु डॉ. अमित आर्य ने बताया कि कार्यक्रम सुबह 9:30 बजे शुरू होगा। इसमें सूर्यकवि दादा लख्मीचंद के पौत्र पंडित विष्णु दत्त प्रसिद्ध कवि राय धनपत सिंह के प्रपौत्र प्रदीप राय निंदाना तथा डॉ. सतीश जॉर्जी कश्यप अपनी-अपनी मंडलियों के साथ प्रस्तुति देंगे। उन्होंने कहा कि सांग केवल मनोरंजन नहीं, बल्कि सामाजिक संदेश देने का सशक्त माध्यम रहा है। पहले गांवों में कुएं, जोहड़, पाठशाला और धर्मशाला बनवाने के लिए सांग कराए जाते थे और चंदे की राशि जनकल्याण कार्यों में लगाई जाती थी। डीएलसी सुपवा की रजिस्ट्रार डॉ. गुंजन मलिक मनोचा ने बताया कि सांग हरियाणवी लोक कला की ऐसी विधा है, जिसमें रागनी, संवाद और अभिनय तीनों का अद्भुत समन्वय होता है। यह इकलौती शैली है, जिसमें पुरुष कलाकार ही महिलाओं की भूमिका निभाते हैं। प्राचीन वाद्य यंत्रों के साथ प्रस्तुत रागनियां पूरे वातावरण को सुरमय बना देती हैं। आयोजन में नॉर्थ सेंट्रल जोन कल्चरल सेंटर का भी विशेष सहयोग रहेगा। इस अवसर पर उन कलाकारों को सम्मानित किया जाएगा, जिन्होंने सांग परंपरा को जीवित रखने में महत्वपूर्ण योगदान दिया है।

सुबह 9:30 बजे शुरू होगा कार्यक्रम

1200 ईस्वी से जुड़ा है सांग का इतिहास

डॉ. आर्य के अनुसार सांग परंपरा लगभग 1200 ईस्वी के आसपास शुरू हुई। इस कला ने समाज में जागरूकता फैलाने का काम किया, लेकिन मुगल काल में औरंगजेब ने 1658 में इस पर प्रतिबंध लगा दिया। 1707 में उसकी मृत्यु के बाद 1709 से फिर सांग को जीवित करने के प्रयास शुरू हुए। आज गिने-चुने घराने ही इस विधा को आगे बढ़ा रहे हैं। कुलगुरु ने कहा कि नई पीढ़ी को इस गौरवशाली परंपरा से जोड़ना बेहद जरूरी है। सांग समागम के माध्यम से लोग दिनभर चलने वाली प्रस्तुतियों का आनंद लेकर हरियाणा की इस अनमोल लोक कला को नजदीक से महसूस कर सकेंगे।

ट्रस्ट के सभी सदस्यो के साथ मीटिंग करते महाराजा अग्रसेन भवन में ट्रस्ट चेयरमैन राजेश जैन।

महाराजा अग्रसेन सेवा सदन ट्रस्ट 20 अप्रैल को करेगा पूर्व मंत्री मनीष ग्रोवर का अभिनंदन

रोहतक। महाराजा अग्रसेन सेवा सदन ट्रस्ट की एक महत्वपूर्ण बैठक महाराजा अग्रसेन नगर स्थित महाराजा अग्रसेन भवन में ट्रस्ट चेयरमैन राजेश जैन की अध्यक्षता में संपन्न हुई। बैठक में ट्रस्ट के सभी ट्रस्टी उपस्थित रहे। बैठक में सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि 20 जनवरी को हैदराबाद से अग्रोहा धाम दर्शन के लिए जा रहे लगभग 150 परिवारों का महाराजा अग्रसेन भवन में सम्मान किया जाएगा। साथ ही एक ईंट एक रुपया चौक पर स्थापित 54 फीट ऊंची हाई मास्ट लाइट का लोकार्पण माननीय पूर्व मंत्री मनीष ग्रोवर के करकमलों द्वारा किया जाएगा। इसी अवसर पर 20 अप्रैल को पूर्व मंत्री मनीष ग्रोवर का अभिनंदन समारोह भी आयोजित किया जाएगा। ट्रस्ट चेयरमैन राजेश जैन ने जानकारी देते हुए बताया कि महाराजा अग्रसेन भवन को अक्टूबर माह में समाज को समर्पित कर दिया जाएगा, जिससे 36 बिरादरियों को इसका लाभ मिलेगा। उन्होंने बताया कि मार्च माह में अग्र कुलदेवी लक्ष्मी मंदिर का भव्य उद्घाटन भी प्रस्तावित है। उन्होंने कहा कि ट्रस्ट द्वारा निरंतर समाज कल्याण के कार्य किए जा रहे हैं। मेधावी छात्रों को स्कूल ड्रेस, जूते, कॉपी-किताबें एवं अन्य शैक्षणिक सामग्री वितरित की जा रही है। साथ ही विद्यालयों में बेहतर शिक्षा व्यवस्था सुनिश्चित करने के लिए भी विभिन्न कार्यक्रम बनाए जा रहे हैं। इस अवसर पर ट्रस्ट अध्यक्ष नरेश गोयल, महासचिव सतीश गोयल (झांसवा), कोषाध्यक्ष गणेश गोयल, सह सचिव मुकेश गुप्ता, सुशील गुप्ता, देशराज बंसल, आर्किटेक्ट वी.के. जैन, आनंद तायल, परम भूषण आर्य, पुनीत गुप्ता, प्रेम गर्ग, मंजू गर्ग सहित अन्य गणमान्य सदस्य मुख्य रूप से उपस्थित रहे।

चौवे की समस्या होने के कारण फसल उत्पादन पर पड़ रहा था प्रतिकूल असर

चार जिलों के 28 गांव की 28030 एकड़ जमीन से जल्द खत्म होगी सेम

हजारों किसानों की जमीन फिर से उगलेगी सोना
गेहूं कटाई के बाद शुरू होगा काम

अमरजीत एस गिल ▶▶ रोहतक

चौवा की समस्या बढ़ने से खेती डांवाडोल हो चुकी है। चालू वित्तीय वर्ष में सरकार रोहतक कृषि मंडल में 28030 एकड़ का भूजल स्तर कम करने के प्रोजेक्ट शुरू करेगी। इसके लिए मंडल भूमि संरक्षण कार्यालय ने काम करना शुरू कर दिया है। जिन एजेंसियों से काम कराए जाने हैं, उनको काम अलॉट किए जा चुके हैं। कुछ ही गांव की अलॉटमेंट शेष है। अधिकारियों के मुताबिक जहां प्रोजेक्ट चालू होने, वह ये काम अप्रैल-मई में ही शुरू होंगे। क्योंकि गेहूं कटाई के बाद ही कार्य हो सकता है।

ये विधि अपनाई जाएगी

जिन गांवों में टयूब्वैल लगाकर जमीनी पानी का स्तर कम करना है, वहां टयूब्वेल सौर ऊर्जा से संचालित होंगे। जबकि दूसरी विधि में जमीन के अंदर आठ-नौ फीट गहराई में पाइप डालकर भूजल स्तर कम होगा। इस कार्य में कम से कम तीन-चार साल लग जाते हैं। इसके बाद जमीन पूरी तरह से खेती लायक हो जाती है।

30 साल से है समस्या

ध्यान रहे कि कि वर्ष 1995 में प्रदेश के कई जिलों में बाढ़ आई थी। उसके बाद सेम की समस्या (जलभराव और भूमि की लवणता) एक गंभीर और पुरानी समस्या है। जिससे लाखों एकड़ कृषि भूमि बंजर हो रही है। किसानों की आर्थिक स्थिति खराब है। और फसलें बर्बाद हो रही हैं। इसके समाधान के लिए नहरी पानी का उचित प्रबंधन, खारे पानी की निकासी, सौर ऊर्जा आधारित ट्यूबवेल लगाना और केंद्र सरकार से मदद मांगना जैसे उपाय किए जा रहे हैं, लेकिन अभी तक कोई स्थायी समाधान नहीं मिला है। यह समस्या रोहतक, सोनीपत, झज्जर, भिवानी, फतेहाबाद, हिसार आदि जिलों में सबसे अधिक है। जबकि धान-बाहुल्य जिले जैसे करनाल, पानीपत, कुरुक्षेत्र, कैथल, फरीदाबाद, यमुनानगर, पंचकूला आदि सेम की समस्या से लगभग मुक्त हैं।

अधिकांश कार्य एजेंसियों को अलॉट किए

गेहूं कटाई के बाद जब खेत खाली होंगे तो प्रोजेक्ट शुरू करा दिए जाएंगे। अधिकांश कार्य एजेंसियों को अलॉट किए जा चुके हैं। सरकार प्राथमिकता के आधार पर सेम की समस्या को हल करने के लिए काम कर रही है। मोखरा और कान्ही गांव में काफी रकबा की सेम खत्म करके दोबारा से खेती लायक बना दिया गया है। इसी प्रकार अब दूसरे गांवों खेतों को उपजाऊ बनाया जाएगा।
-डॉ.नीना सहवाग, मंडल भूमि संरक्षण अधिकारी, रोहतक

किसानों को मिलेगी बड़ी राहत

रोहतक के इन गांवों में दिक्कत

रोहतक जिले के गांव मायना की 1400, समचाना की 1450, मसूदपुर 1050, अजायब 2000, किलोई दोपाना 1240, आसन 870, रिठाल नरवाल 1127.5, किलोई खास 1103 एकड़ में सरफेस और वर्टिकल विधि के प्रोजेक्ट लगाए जा रहे हैं।

जींद की कुल 12507 एकड़ जमीन

जींद के गांव सरसा खेड़ी की 900 एकड़, बुवाना की 2400, गढ़वाली 1500, शामलो कलां की 600, बूराढहर की 1200, मेहरड़ा की 1500, रामकली की 112 और भैरोखेड़ा की 395 एकड़ मिलाकर जींद जिले की कुल 12507 एकड़ जमीन को मंडल भूमि संरक्षण कार्यालय फिर से उपजाऊ बनाने के प्रोजेक्ट शुरू कर देगा।

सोनीपत में यहां बनेगी खेती योग्य

सोनीपत के आंवली की 1000, बरौदा मोर 2000 इसापुरखेड़ी 1250, भादी 340,रूखी 1200, गंगाना 855, छपरा की 688 एकड़ जमीन तीन-चार साल में खेती योग्य बना दी जाएगी। क्योंकि जिन जमीनों पर ये प्रोजेक्ट लगाए जाते हैं, उनको खेती लायक बनाने में कुछ वर्ष लगते हैं।

झज्जर के गांवों को भी फायदा

झज्जर के सुरहेती 400,खेड़ी खुमार 800, बेरी भुटन 650, अकहेरी मदनपुर 750, सिलाना-सिलानी 4500, दूबलधन किरमाण एवं पहाड़ीपुर 850 एकड़ जमीन इस समय सेमग्रस्त है। इसका चौवा खत्म करने की प्रक्रिया सरकार शुरू करा चुकी है।

खबर संक्षेप

डॉ. चन्द्र गर्ग बने सोसाइटी सचिव

रोहतक। दी गवर्मेंट एम्प्लाइज कोपरेटिव हाउस बिल्डिंग सोसाइटी लिमिटेड के ऑफिस में प्रबंधन समिति की बैठक के दौरान डॉ. चन्द्र गर्ग सचिव पद के लिए तथा राजकुमार शर्मा को समिति के कोषाध्यक्ष पद के लिए सर्वसम्मति से नियुक्त किया गया। इस अवसर पर उपस्थित समिति के प्रधान डॉ. प्रमोद कुमार मारवाह, उप-प्रधान केएस नेहरा व अन्य निर्वाचित सदस्य शशिभूषण व आशु राजपाल समेत सभी ने पदभार संभालने पर दोनों को बधाई दी। इस मौके पर डॉ. चन्द्र गर्ग सचिव ने सभी समिति सदस्यों, कर्मचारियों व सोसाइटी सदस्यों को विश्वास दिलाते हुए कहा कि निष्ठा व कर्मठता से सोसाइटी में विकास के कार्य करवाए जाएंगे।

डिजिटल दुनिया में सावधानी जरूरी

रोहतक। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की सचिव एवं मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी डॉ. तरन्नुम खान ने बताया कि हरियाणा राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण पंचकूला के सदस्य सचिव तथा जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के अध्यक्ष एवं जिला एवं सत्र न्यायाधीश के निर्देशानुसार मैनेजिंग द डिजिटल वर्ल्ड थिंक बिफोर यू शेयर अभियान की शुरुआत की गई है। यह अभियान मुख्य न्यायाधीश अधिकारी सीजेएम कम सेक्रेटरी डॉ तरन्नुम खान के मार्गदर्शन में आम जन में कानूनी साक्षरता फैलाने और न्याय तक पहुंच को और अधिक सुधार करने की उद्देश्य से चलाया जा रहा है। यह अभियान डिजिटल युग में बढ़ते साइबर अपराधों ऑनलाइन ठगी और फर्जी सूचनाओं के बीच नागरिकों को सतर्क एवं जागरूक बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल माना जा रहा है। फर्जी खबरों की पहचान, सत्यापन के लिए रुके, जांचें, रिपोर्ट करने के सिद्धांत को जनता तक पहुंचाए।

काफी समय से नहीं निकला समाधान

वार्ड-15 की रामा कॉलोनी में दूषित पेयजल से लोग परेशान

सड़क निर्माण से पहले नई पाइपलाइन की मांग

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रोहतक

वार्ड-15 स्थित रामा कॉलोनी के निवासी पिछले काफी समय से दूषित पेयजल की समस्या से जूझ रहे हैं। क्षेत्र में दशकों पुरानी पाइपलाइन बिछी होने के कारण घरों में गंदा और बदबूदार पानी पहुंच रहा है। लोगों का कहना है कि इस दूषित पानी के सेवन से बीमारियों का खतरा लगातार बढ़ रहा है, लेकिन बार-बार शिकायत करने के बावजूद समस्या का स्थायी समाधान नहीं किया जा रहा है। स्थानीय निवासियों के अनुसार पाइपलाइन जगह-जगह से क्षतिग्रस्त हो चुकी है, जिसके कारण सीवर का पानी पेयजल लाइन में मिल जाता है।

कई घरों में मटमैला और बदबूदार पानी आता है, जिसे पीना तो दूर, घरेलू उपयोग में लेना भी मुश्किल हो गया है। महिलाओं को पीने के पानी के लिए दूर-दराज से पानी लाना पड़ रहा है। बुजुर्गों और बच्चों के स्वास्थ्य पर इसका सबसे ज्यादा असर पड़ रहा है। कॉलोनीवासियों ने बताया कि इन दिनों एक निजी होटल से लेकर रामा कॉलोनी तक सड़क निर्माण का कार्य प्रस्तावित है। लोगों की मांग है कि सड़क बनाने से पहले इस क्षेत्र में नई पेयजल पाइपलाइन बिछाई जाए। यदि सड़क बनने के बाद पाइपलाइन डालने के लिए दोबारा खुदाई की गई तो सरकारी धन की बर्बादी भी होगी और लोगों को फिर से परेशानी झेलनी पड़ेगी। इसलिए समय रहते पाइपलाइन बदलना बेहद जरूरी है। दूषित पानी के कारण क्षेत्र में पेट दर्द, उल्टी-दस्त और त्वचा रोग जैसी बीमारियों के मामले बढ़ रहे हैं।

निवासी बोले, राहत दिलवाओ

नहीं हो रही कोई सुनवाई

घरों में जो पानी आ रहा है, उसे पीना तो दूर, कपड़े धोने लायक भी नहीं है। कई बार शिकायत कर चुके हैं, लेकिन कोई सुनवाई नहीं होती। बच्चों की तबीयत खराब रहती है। प्रशासन को तुरंत नई पाइपलाइन डालनी चाहिए, वरना बीमारियां और बढ़ेंगी। - जसबीर कुमार

बर्तन धोना भी मुश्किल

रोज पीने का पानी बाहर से लाना पड़ता है। कई बार बदबू इतनी तेज होती है कि बर्तन धोना भी मुश्किल हो जाता है। सड़क बनने से पहले पाइपलाइन नहीं बदली तो बाद में फिर से खुदाई होगी और हमें दोहरी परेशानी झेलनी पड़ेगी। -सतबीर कुमार

पेट की बीमारी आम

दूषित पानी से बुजुर्गों को सबसे ज्यादा दिक्कत हो रही है। पेट की बीमारी आम हो गई है। हम चाहते हैं कि प्रशासन पानी की जांच कराए और जल्द नई लाइन डाले, ताकि लोगों को साफ पानी मिल सके। -पंकज कुमार

मुझे नहीं मिली शिकायत

इस तरह की शिकायत मुझे मिली नहीं है, फिर भी समस्या है तो उसका समाधान करवाया जाएगा। अगर पोर्टल पर शिकायत की है तो उसकी भी जांच की जाएगी। ताकि समय पर समस्या का समाधान किया जा सके। -संदीप कुमार, कार्यकारी अभियंता जनस्वास्थ्य व अभियांत्रिकी विभाग

देश भर में भाजपा की जीत विकास की राजनीति पर जनता की मुहर : खरक

रोहतक। हरियाणा भाजपा के प्रदेश मीडिया सह-प्रभारी शमशेर सिंह खरक ने महाराष्ट्र निकाय चुनावों के परिणामों पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कहा कि देश की राजनीति अब पूरी तरह स्पष्ट दिशा में आगे बढ़ चुकी है। जनता ने एक के बाद एक चुनावों में यह साबित कर दिया है कि उसे खोखले वादों, तुष्टिकरण और भ्रम फैलाने वाली राजनीति नहीं, बल्कि विकास, सुशासन और स्थिर नेतृत्व चाहिए। हरियाणा विधानसभा चुनाव में भाजपा की जीत, दिल्ली विधानसभा चुनाव में ऐतिहासिक जनादेश, बिहार में सफलता और अब मुंबई महानगरपालिका चुनाव में भाजपा की जीत इस बात का प्रमाण है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा शुरू की गई विकास आधारित राजनीति पर जनता का भरोसा लगातार मजबूत हुआ है। मोदी सरकार ने केवल चुनावी घोषणाएं नहीं कीं, बल्कि जमीन पर बदलाव लाने का काम किया है, जिसका परिणाम हर चुनाव में दिखाई दे रहा है। प्रदेश मीडिया सह-प्रभारी ने आम आदमी पार्टी पर प्रहार करते हुए कहा कि आप अब आम आदमी पार्टी नहीं, बल्कि "लापता पार्टी" बन चुकी है। यह पार्टी लोगों की भावनाओं से खेलती है और सच्चाई सामने आते ही जिम्मेदारी से भाग खड़ी होती है।

पंडित भगवत दयाल शर्मा स्वास्थ्य विज्ञान विवि में मेडिकल एजुकेशन की उपलब्धि

डॉ. आरती और डॉ. कमल ने पांडिचेरी से एमएचपीई का 2 साल का कोर्स पूरा किया

रोहतक। पंडित भगवत दयाल शर्मा स्वास्थ्य विज्ञान विश्वविद्यालय (यूएचएसआर) के दो फैकल्टी सदस्यों ने मेडिकल एजुकेशन में एक नई उपलब्धि हासिल की है। डॉ. आरती और डॉ. कमल ने श्री बालाजी विद्यापीठ, पांडिचेरी से एमएचपीई (मास्टर्स इन हेल्थ प्रोफेशनल्स एजुकेशन) का 2 वर्षीय कोर्स सफलतापूर्वक पूरा कर लिया है।

गौरतलब है कि यह दोनों फैकल्टी सदस्य यूएचएसआर के पहले सदस्य हैं, जिन्होंने मेडिकल एजुकेशन में यह कोर्स किया है। डॉ. आरती और डॉ. कमल ने बताया कि इस कोर्स को पूरा करने के बाद उन्हें मेडिकल एजुकेशन में नई तकनीकों और पद्धतियों के बारे में जानने का अवसर मिला है। उन्होंने कहा कि यह कोर्स उनके लिए बहुत उपयोगी साबित होगा और वे इसे अपने शिक्षण और अनुसंधान में लागू करेंगे।

रोहतक। हेल्थ विवि के कुलपति डॉ. एचके अग्रवाल, पीजीआई निदेशक डॉ. एसके सिंघल के साथ डॉ. कमल और डॉ. आरती।

पंडित भगवत दयाल शर्मा स्वास्थ्य विज्ञान विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ एच के अग्रवाल व निदेशक डॉ एसके सिंघल ने भी डॉ. आरती और डॉ. कमल को उनकी इस उपलब्धि पर बधाई दी है। विश्वविद्यालय के अधिकारियों का कहना है कि यह उपलब्धि यूएचएसआर के लिए गर्व की बात है और वे इस तरह की और उपलब्धियों की उम्मीद करते हैं।

प्रो. अंजना गर्ग की लिखित पुस्तक 'अनथक यात्री' का लोकार्पण

रोहतक। नई दिल्ली के प्रगति मैदान भारत मण्डपम में आयोजित विश्व पुस्तक मेले में हरियाणा साहित्य अकादमी द्वारा सूर सम्मान से विभूषित डॉ. मधुकांत पर प्रो. अंजना गर्ग द्वारा लिखित पुस्तक 'अनथक यात्री' का लोकार्पण हुआ। रोहतक के लेखकों डॉ. मधुकांत, प्रो. अंजना गर्ग, कृष्णलाल गिरधर एवं आशा खत्री 'लता ' ने शिरकत की। प्रो. अंजना गर्ग की दूसरी पुस्तक लघुकथा संग्रह बिम्ब-प्रतिबिंब एवं कुरुक्षेत्र से पधारे लेखक डॉ. जयभगवान सिंगला की पुस्तक 'लम्बी उम्र जीने की कला' का विमोचन इंडिया नेटबुक्स प्रकाशन के स्टाल पर प्रकाशक संजीव कुमार व मनोरमा के कर-कमलों से हुआ। विमोचन में नोएडा से पधारे वरिष्ठ लघुकथाकार डॉ. बलराम अग्रवाल, करनाल से अशोक भाटिया, कुरुक्षेत्र से अरुण पराशर, सुरेखा शर्मा, आशा सिंगला की उपस्थिति भी उल्लेखनीय रही। मेले में अनेक महत्त्वपूर्ण पुस्तकों की खरीदारी के साथ साहित्यकारों के मध्य हिंदी साहित्य के उन्नयन व प्रचार-प्रसार पर विमर्श हुआ।

झज्जर एएसआई पर फायरिंग मामला

रोहतक के मायना में सतगामा खाप की पंचायत, 3 दिन का अल्टीमेटम

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रोहतक

झज्जर में एएसआई प्रवीण पर हुई फायरिंग की घटना को लेकर रोहतक के गांव मायना में सतगामा खाप की पंचायत आयोजित की गई। पंचायत में आसपास के कई गांवों से लोग शामिल हुए। बैठक में घटना पर विस्तार से चर्चा की गई और मुख्यमंत्री से हुई मुलाकात की जानकारी भी साझा की गई। पंचायत ने आरोपी की गिरफ्तारी को लेकर प्रशासन को 3 दिन का अल्टीमेटम दिया है।

गांव मायना में आयोजित पंचायत की अगुवाई सरपंच प्रतिनिधि प्रवीण ने की। उन्होंने बताया कि झज्जर सीआईए में तैनात एएसआई प्रवीण 15 जनवरी की रात करीब 9 बजे ड्यूटी पर था, तभी कुछ युवकों ने शराब के नशे में उस पर फायरिंग कर दी, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया।

सीएम से मुलाकात, नहीं मिला संतोषजनक जवाब

उन्होंने बताया कि घटना को लेकर मुख्यमंत्री नायब सैनी से मुलाकात की गई और पूरे मामले से अवगत कराया गया, लेकिन मुख्यमंत्री की ओर से कोई ठोस या संतोषजनक आश्वासन नहीं मिला।

कमेटी गठित करने का फैसला

इस दौरान फैसला लिया गया कि मामले में एक कमेटी का गठन किया जाएगा, जिसमें विभिन्न खापों के प्रतिनिधि शामिल होंगे। कमेटी के सदस्यों की सूची जल्द तैयार की जाएगी। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि 3 दिन के भीतर आरोपी को गिरफ्तार नहीं किया गया, तो प्रदेशभर की खाप पंचायत बुलाकर बड़ा निर्णय लिया जाएगा।

रोहतक। वेटरन एथलीट प्रतियोगिता में भाग लेते प्रतिभागी।

वेटरन एथलीट समाज और युवाओं के लिए प्रेरणा का स्रोत : कुलपति

रोहतक। महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय (एमडीयू) के खेल परिसर में रविवार को 35वीं हरियाणा वेटरन एथलेटिक चैंपियनशिप का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता का उद्घाटन विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. राजबीर सिंह ने बतौर मुख्य अतिथि किया। उन्होंने कहा कि वेटरन एथलीट समाज और युवाओं के लिए प्रेरणा का स्रोत हैं। खेलों से न केवल शारीरिक बल्कि मानसिक स्वास्थ्य भी सुदृढ़ होता है। उन्होंने सभी प्रतिभागी खिलाड़ियों को शुभकामनाएं देते हुए प्रतियोगिता के सफल आयोजन के लिए आयोजकों की सराहना की। कार्यक्रम की शुरुआत आयोजन समिति के दीपक मलिक द्वारा अतिथियों के स्वागत के साथ की गई। इस अवसर पर पूर्व मेयर मनमोहन गोयल, विश्वविद्यालय की निदेशक खेल डॉ. शकुंतला बेनीवाल तथा एमडीयू नॉन-टीचिंग एसोसिएशन के अध्यक्ष सुरेश कौशिक, पूर्व प्रधान फूलकुमार बोहत विशेष रूप से उपस्थित रहे। इस चैंपियनशिप में प्रदेश के विभिन्न जिलों से आए वेटरन खिलाड़ी अलग-अलग एथलेटिक स्पर्धाओं में भाग ले रहे हैं।

प्रजापिता ब्रह्मा कुमारी सेंटर महम में मनाया ब्रह्मा बाबा का स्मृति दिवस

हरिभूमि न्यूज ▶▶ महम

- **श्रद्धालुओं ने दो दिन प्रभु उपहार भवन में की राजयोग की तपस्या**

प्रजापिता ब्रह्मा कुमारी विश्वविद्यालय की स्थानीय शाखा में ब्रह्मा बाबा का 57 वां स्मृति दिवस धूमधाम से मनाया गया। स्मृति दिवस के मौके पर प्रभु उपहार भवन में दो दिवसीय राजयोग तपस्या का आयोजन किया गया। स्थानीय शाखा संचालिका बीके चेतना ने बताया कि हर साल 18 जनवरी को संस्था के संस्थापक ब्रह्मा बाबा का स्मृति दिवस मनाया जाता है। इस पूरे महीने को संस्था से जुड़े अनुयायी तपस्या करते हैं। तपस्या भट्ठियों का आयोजन किया जाता है। यह महीना शांत रहकर, ध्यान और तपस्या करके स्वयं को जानने का संदेश देता है। सेंटर सहसंचालिका बीके सुमन ने श्रद्धालुओं को तपस्या भट्ठी का महत्व बताया। बताया कि तपस्या भट्ठी एक आध्यात्मिक कार्यक्रम है। इसका आयोजन आत्म शुद्धि और गहन योग साधना के लिए किया जाता है। इस दौरान भक्त कठोर साधना करते हैं।

महम। स्मृति दिवस समारोह में भक्तजनों को संबोधित करती बीके सुमन व उनके साथ मौजूद बीके चेतना व ओआरसी गुरुग्राम से पहुंचे भाई अशोक व भाई नीलकंठ। फोटो : हरिभूमि

एकांत और दिव्य ज्ञान के माध्यम से अपनी कमजोरियों को जलाकर पवित्र होते हैं। यह शारीरिक कष्ट सहकर, इंद्रियों पर संयम रखकर जैसे निंदा न सुनना, गंदा भोजन न करना और परमात्मा के ज्ञान पर ध्यान केंद्रित करके की जाने वाली आध्यात्मिक तपस्या है। इसमें कई दिनों तक एकांत में रहना, मौन व्रत करना और बाबा द्वारा दिए गए ज्ञान का मनना करना शामिल हैं। बीके सुमन ने भक्तों को मौन का महत्व बताया। स्मृति दिवस समारोह में ओम शांति रीट्रीट सेंटर गुरुग्राम से बीके अशोक और बीके नीलकंठ ने भाग लिया।

हरिभूमि
आवश्यक सूचना
जिन पाठकों को अखबार मिलने में किसी भी प्रकार की असुविधा हो रही हो या उनके घर में कोई अन्य अखबार दिया जा रहा हो वह इन टेलीफोन नम्बरों पर सम्पर्क करें या व्हाट्सअप करें :-
हरिभूमि, नजदीक इण्डस पब्लिक स्कूल, दिल्ली रोड, रोहतक
ऑफिस नं.: 9253681019-20,
फोन : 9253681010, 9253681005

मृत्यु अंत नहीं है
मृत्यु कभी भी अंत नहीं हो सकती
मृत्यु एक पथ है, जीवन एक यात्रा है
आत्मा पथ प्रदर्शक है।

हरिभूमि राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक
इस शोकाकुल समय में हम आपके सहभागी हैं।
तेरहवीं/श्रद्धान्जलि/शोक संदेश
आप अर्पित कीजिये अपने श्रद्धा-सुमन हरिभूमि के माध्यम से

साईज	संस्करण	विशेष छूट राशि
5×8 सें.मी 10×8 सें.मी	स्थानीय संस्करण के अन्दर के पृष्ठ पर	रु. 2500/- रु. 3000/-

+5% GST Extra
नोट : विशेष छूट राशि केवल उपरोक्त साईज पर मान्य। अन्य किसी साईज के लिए कार्ड रेट लागू।
अधिक जानकारी के लिए सम्पर्क करें
सिटी कार्यालय :- हरिभूमि, कृषि विज्ञान केन्द्र के सामने, दिल्ली रोड, रोहतक फोन : 9996959400
मुख्य कार्यालय :- हरिभूमि, नजदीक इण्डस पब्लिक स्कूल, दिल्ली रोड, रोहतक फोन : 9253681019-20

न्यूनतम पारे 0.5 और अधिकतम में 1.8 डिग्री का उछाल आया

आज से सक्रिय होगा पश्चिमी विक्षोभ, बारिश की आशंका

अगर बरसात हो जाती है तो एक बार फिर ठंड बढ़ेगी और परेशानी झेलनी पड़ेगी

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रोहतक

सर्दी के मौसम में अभी तक एक बार भी बारिश नहीं हुई है। जिसका प्रतिकूल असर फसलों की पैदावार पर पड़ सकता है। लेकिन सोमवार 19 जनवरी से हरियाणा के मौसम में बदलाव हो सकता है। चौधरी चरण सिंह कृषि विश्वविद्यालय हिसार के मुताबिक राज्य में एक पश्चिमी विक्षोभ सक्रिय होने जा रहा है। जिसके असर से प्रदेश के अधिकांश क्षेत्र में बरसात हो सकती है। एक रिपोर्ट के अनुसार पिछले चौबीस घंटे में प्रदेश के न्यूनतम और अधिकतम तापमान में बढ़ोतरी दर्ज की गई है। न्यूनतम पारा 0.5 और अधिकतम में 1.8 डिग्री बढ़ा है। जिसकी वजह से अन्य दिनों की अपेक्षा रविवार को कम ठंड महसूस हुई। हवा का रूख पश्चिम की बजाय पूर्वा का था।

शहर	अधिकतम	न्यूनतम तापमान
रोहतक	21.5	7.0
अंबाला	22.8	6.8
हिसार	21.5	7.0
करनाल	22.6	उपलब्ध नहीं
नारनौल	18.5	उपलब्ध नहीं
फरीदाबाद	20.4	8.4
जींद	21.4	3.5
महेंद्रगढ़	22.6	6.1
मेवात	19.1	7.3
पानीपत	20.5	3.7
सिरसा	19.9	5.8
सोनीपत	21.8	3.1

सुबह कुछ इलाकों में थोड़ी देर के लिए धुंध रही

सुबह कुछ इलाकों में थोड़ी देर के लिए धुंध रही। इसके बाद मौसम साफ हो गया। प्रदेश के अधिकांश जिला मुख्यालयों का दिन का तापमान रविवार को 20 डिग्री सेल्सियस अधिक दर्ज किया गया। इसी प्रकार फरीदाबाद में न्यूनतम पारा 8.3 डिग्री तक पहुंच चुका है। ध्यान रहे कि इस समय जब दिन और रात के तापमान बढ़ते हैं तो मौसम में अवश्य ही बदलाव होता है। काफी दिनों से प्रदेश में कड़ाके की ठंड पड़ रही है। अब अगर बरसात हो जाती है तो एक बार ठंड और बढ़ेगी। इसके बाद शनैःशनैः सर्दी कम होने लगेगी। चूंकि अब जनवरी के तीन सप्ताह बीतने को हैं। ऐसे में सर्दी कम होना भी स्वाभाविक है।

शीत लहर को लेकर एडवाइजरी जारी

रोहतक। जिले में ठंड व शीतलहर से बचाव के लिए क्या करें और क्या न करें, इस संबंध में हरियाणा राज्य राजस्व एवं आपदा प्रबंधन विभाग की ओर से एडवाइजरी जारी की गई है। उपायुक्त सचिन गुप्ता ने लोगों से सचेत होकर शीतलहर आपदा से बचाव का आह्वान किया है। सचिन गुप्ता ने कहा कि शीत लहर के समय यथासंभव घर के अंदर ही रहे, ठंडी हवा से बचने के लिए कम से कम यात्रा करें। रेडियो व अन्य मीडिया से मौसम की जानकारी लेते रहें। बुजुर्ग और बच्चों का ठीक से देखभाल करें एवं ऐसे पड़ोसी जो अकेले रहते हैं विशेषकर बुजुर्ग लोगों का हाल चाल पूछते रहें। साथ ही यह भी सुनिश्चित करें कि आपातकालिन आपूर्ति आसानी से उपलब्ध हो। एक परत वाले कपड़े की जगह ढीली फिटिंग वाले परतदार हल्के कपड़े, हवा रोधित सूती का बाहरी आवरण तथा गर्म उनी भीतरी कपड़े पहने। शरीर की गर्मी बचाए रखने के लिए टोपी एवं जलरोधी जूतो का प्रयोग करें।

अच्छा इंसान बनने में नशा सबसे बड़ा बाधक

रोहतक। कन्हेली रोड स्थित एमटीएफसी ऑर्गेनाइजेशन द्वारा नशे के विरुद्ध एक सेमिनार का आयोजन किया गया। सेमिनार का शीर्षक था 'मानवता अपनाएंगे, नशे को दूर भगाएंगे, स्वस्थ समाज बनाएंगे।' सेमिनार के मुख्य वक्ता थे पीजीआईएमएस के गैस्ट्रोएंटरोलॉजी विभाग के अध्यक्ष डॉ. प्रवीण मल्होत्रा। करीब 700 बच्चों ने सेमिनार में फिजिकल एवं डिजिटल तौर पर शिरकत की। डॉ. प्रवीण मल्होत्रा ने कहा कि सबसे पहले अच्छा इंसान बनना होगा। उन्होंने कहा नशा, अच्छा इंसान बनने में सबसे बड़ा बाधक है। नशा व्यक्ति के साथ-साथ पूरे परिवार को बर्बादी की कगार पर ले आता है। उन्होंने कहा कि वह देखते हैं कि 70 प्रतिशत बीमारियों का कारण नशा है। नशे के खात्मे को लेकर वे देश भर में इस मुहिम को आगे बढ़ाएंगे। विद्यार्थियों ने डॉ. प्रवीण मल्होत्रा की इस मुहिम को अपना हर संभव सहयोग देने की बात कही।